राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,05 जुलाई-2021 वर्ष-4, अंक - 162 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेना प्रमुख 5 से 8 जुलाई तक यूके और इटली के दौरे पर रहेंगे, रक्षा सहयोग बढ़ाना यात्रा का लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे 5 जुलाई से यूके और इटली के दौरे पर रहेंगे। अपनी पांच दिवसीय यात्रा के दौरान वह संबंधित देशों के वरिष्ठ सैन्य नेताओं से एक उद्देश्य के साथ मुलाकात करेंगे। भारतीय सेना की तरफ से आई जानकारी के मुताबिक, इस दौरान भारत के रक्षा सहयोग को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। 8 जुलाई तक उनका यह विदेशी दौरा होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, सेना प्रमुख अपनी यात्रा के दौरान कैसिनो के प्रसिद्ध शहर में भारतीय सेना स्मारक का उद्घाटन करेंगे। साथ ही रोम के सेचिंगोला में इतालवी सेना के काउंटर आईईडी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में जानकारी दी जाएगी।

सेना प्रमुख की यात्रा यूनाइटेड किंगडम की यात्रा दो दिनों (5 और 6 जुलाई) के लिए निर्धारित है, जिसके दौरान सीओएएस रक्षा राज्य सचिव, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, चीफ ऑफ जनरल स्टाफ और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ बातचीत करेंगे। इस दौरान वह विभिन्न सैन्य संरचनाओं का भी दौरा करेंगे जहां वह आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। अपने दौरे के दूसरे चरण (7 और 8 जुलाई) के दौरान, सेना प्रमुख इतालवी सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और चीफ ऑफ स्टाफ के साथ महत्वपूर्ण चर्चा करेंगे।

बता दें कि हाल ही में सेना प्रमुख भारतीय सेना में शामिल हुए शॉर्ट स्पैन ब्रिजिंग सिस्टम कार्यक्रम में नजर आए थे। यह ब्रिजिंग सिस्टम डीआरडीओ के साथ भारतीय सेना के इंजीनियरों ने इसे डिजाइन किया है। सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की मौजूदगी में दिल्ली कैंट में कोर ऑफ इंजीनियर्स को ये ब्रिज दिए गए। सेना प्रमुख ने इस दौरान कहा यह आत्मनिर्भर भारत की तरफ एक और कदम है।

फिलीपींस वायु सेना का ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट हुआ क्रैश

अबतक 17 शव मिले, रेस्क्यू जारी

मनीला। फिलीपींस के दक्षिणी इलाके में लैंडिंग के समय मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट सी-130 हरकुलस दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के समय इस विमान पर 92 लोग सवार थे। राहत और बचाव में जुटे लोगों ने विमान से 40 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। बचावकर्मियों को अबतक 17 लोगों के शव मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि जलते हुए मलबे के अंदर कई और लोगों की लाशें फंसी हुई हैं।

हमले की आशंका को सेना ने किया खारिज-पहले आशंका जताई जा रही थी कि हिंसाग्रस्त द्वीप पर उतरते समय यह विमान विद्रोहियों के हमले का शिकार हुआ है। फिलीपींस की सेना ने इन दावों का खंडन किया है। सेना के प्रवक्ता कर्नल एडगार्ड अरेवालो ने कहा कि रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हुआ फिलीपींस का सैन्य विमान पर विद्रोहियों ने हमला नहीं किया था। हमारा ध्यान अभी लोगों को बचाने पर है। इस द्वीप पर फिलीपींस की सेना इस्लामिक विद्रोहियों के साथ युद्ध लड़ रही है।

विमान में सवार 40 लोगों को बचाया गया

फिलीपींस के सेना प्रमुख जनरल सिरिलिटो सोबेजाना ने कहा कि विमान के मलबे से 40 लोगों को बचा लिया गया है। उन्होंने बताया कि यह विमान सुलु प्रांत में जोलो द्वीप पर उतरने की कोशिश के दौरान क्रैश हो गया। अभी तक दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। विमानन अधिकारियों ने फिलीपींस एयरफोर्स के नेतृत्व में इस हादसे की जांच शुरू कर दी है।

पायलट की गलती से हुआ हादसा

बताया जा रहा है कि यह ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट साउथ कागायन डी ओरो शहर से सैनिकों को लेकर जोलो द्वीप पर जा रहा था। बताया जा रहा है कि लैंडिंग के समय पायलट विमान को रनवे पर नहीं उतार पाया। जिसके कारण रनवे के किनारे लगे पेड़ों में विमान टकरा गया। इस टक्कर से प्लेन में भरे उच्च ज्वलनशील ईंधन में आग लग गई।

राफेल डील की शुरू हुई जांच तो पीएम मोदी की यह तस्वीर शेयर कर राहुल ने लिखा- चोर की दाढ़ी

नई दिल्ली। राफेल में कथित भ्रष्टाचार का जिन्न एक बार फिर से बाहर आ गया है। फ्रांस में राफेल लड़ाकू विमान सौदे में कथित भ्रष्टाचार की जांच को लेकर जज की नियुक्ति हो गई है, जिसके बाद से भारत की सियासत में भी अब उबाल देखने को मिल रहा है। फ्रांस द्वारा राफेल प्रकरण की जांच शुरू होने के बाद अब भारत में कांग्रेस ने जेपीसी की जांच की मांग कर दी है। इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी की दाढ़ी वाली एक तस्वीर शेयर कर उनपर हमला बोला है। राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर किया है और कैप्शन दिया है- चोर की दाढ़ी। इस इंस्टाग्राम पोस्ट में राहुल गांधी ने पीएम मोदी की एक तस्वीर को राफेल विमान के साथ एडिट करके शेयर किया है। इससे पहले ट्विटर पर राहुल गांधी ने सिर्फ कैप्शन लिखा था- चोर की दाढ़ी।

पहले से अलग दिखे लक्षण, अब मामूली सर्दी-जुकाम भी हो सकता है कोरोना

नई दिल्ली। बीते डेढ़ साल से कोरोना नए-नए स्वरूपों के साथ न सिर्फ ज्यादा संक्रामक हो रहा है बल्कि इसके लक्षण भी बदलते जा रहे हैं। ताजा आंकड़ों में पता चला है कि इन दिनों दुनियाभर में तेजी से फैलते डेल्टा स्वरूप से संक्रमित लोग पिछले साल उभरे कोरोना के शुरुआती लक्षणों से अलग अनुभव कर रहे हैं। ब्रिटेन के ताजा आंकड़ों से पता चला है कि जिसे हम मामूली सर्दी-जुकाम समझ रहे हैं, वह भी अब कोरोना का लक्षण हो सकता है।

इंसानों में हो सकते हैं अलग-अलग लक्षण-ऑस्ट्रेलिया की ग्रिफिथ यूनिवर्सिटी में संक्रामक रोग व वायरोलॉजी में रिसर्च लीडर लारा हरेरो के मुताबिक, सभी इंसान विभिन्न प्रतिरक्षा तंत्र के कारण आपस में अलग-अलग हैं। इसके चलते एक ही वायरस इंसानों में कई तरीकों से नए-नए संकेत और लक्षण पैदा कर सकता है। उनका कहना है, वायरस से होने वाली बीमारी दो अहम कारकों पर निर्भर करती है। पहला, वायरस के अपनी प्रतिकृतयां बनाने की गति और प्रसार का माध्यम। दूसरा, म्यूटेशन के कारण वायरल कारकों का बदलना।

डेल्टा स्वरूप में क्या-कुछ बदला

ब्रिटेन में मोबाइल एप के जरिए स्वत रिपोर्टिंग प्रणाली से मिली जानकारी में कोरोना के सामान्य लक्षणों में बदलाव के संकेत मिले हैं। बुखार और खांसी हमेशा से कोरोना के सबसे सामान्य लक्षण रहे हैं। सिर और गले में दर्द भी पारंपरिक रूप से कुछ लोगों में दिख रहा था। लेकिन नाक बहना शुरुआती मामलों में विरला ही था। वहीं, सूंघने की क्षमता खोना बीते साल से ही प्रमुख लक्षण रहा पर वह अब नौंवे स्थान पर चला गया है।

मामूली सर्दी-जुकाम हो सकता है कोरोना

हरेरो का कहना है, हमें डेल्टा के बारे में ज्यादा जानकारी जुटाने की जरूरत है। लेकिन अभी तक सामने आए आंकड़े बताते हैं कि जिसे हम मामूली सर्दी-जुकाम (बहती नाक और गले में दर्द) मान रहे हैं, वह कोरोना का लक्षण भी हो सकता है।

फिलहाल सटीक जवाब नहीं

बुजुर्गों में ज्यादा टीकाकरण के बाद अब युवाओं में संक्रमण के मामले बढ़े हैं और उनमें हल्के-मध्यम लक्षण दिख रहे हैं। ऐसा वायरस के क्रमिक विकास और डेल्टा की कई विशेषताओं के कारण भी हो सकता है।

कोरोना नियम तोड़ने पर केजरीवाल सरकार सख्त

नांगलोई में पंजाबी बस्ती और जनता मार्केट बंद

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के नांगलोई इलाके की पंजाबी बस्ती और जनता मार्केट को कोविड नियमों का पालन न किए जाने पर छह जुलाई तक के लिए बंद कर दिया गया है। इसके अलावा गांधी नगर की एक दुकान को भी सात दिनों के लिए बंद रखने को कहा गया है। सब डिविजनल मजिस्ट्रेट (पंजाबी बाग) शैलेश कुमार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि इन बाजारों में आम लोग और दुकानदार कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन नहीं कर रहे थे। इसमें कहा गया है कि कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर की संभावना और इन बाजारों में कोविड निमयों के घोर उल्लंघन को ध्यान में रखते हुए पंजाबी बाग के एसडीएम द्वारा डीडीएमए अधिनियम, 2005 के तहत नांगलोई में पंजाबी बस्ती और जनता मार्केट के पूरे बाजार को चार से छह जुलाई तक बंद रखने का आदेश दिया जाता है। इसके साथ ही यह चेतावनी दी गई है कि यदि कोई दुकानदार इस आदेश का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है या कोई भी कार्य जो कोविड-19 फैला सकता है, तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, सब डिविजनल मजिस्ट्रेट (विवेक विहार) देवेंद्र शर्मा की ओर से जारी एक अन्य आदेश में कोविड -19 उपयुक्त व्यवहार न किए जाने पर गांधी नगर में दुकान संख्या 9/6434, मुखर्जी गली, सरदारी लाल मार्केट को सात दिनों के लिए 12 जुलाई तक बंद रखने को कहा गया है।

लक्ष्मी नगर बाजार खोले जाने की मिली अनुमति-बता दें कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने शुक्रवार को लक्ष्मी नगर बाजार को फिर से खोलने की इजाजत दे दी। कोविड-19 संबंधी नियमों के उल्लंघन की वजह से दो दिन पहले ही इस बाजार को पांच जुलाई तक बंद रखने का आदेश जारी किया गया था। डीडीएमए ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इलाके में मोबाइल कोविड-19 जांच वाहन तैनात रखें और दुकानदारों तथा विक्रेताओं के लिए टीकाकरण अभियान चलाएं और बाजार में कड़ी निगरानी बनाए रखें। मंगलवार को जारी आदेश में डीडीएमए (पूर्वी जिला) अध्यक्ष सोनिका सिंह ने कहा था कि बाजार संघ और दुकानदार लक्ष्मी नगर के मुख्य बाजार में 27 जून को यानी पिछले रविवार को भीड़ की वजह से कोविड-19 नियमों का पालन सुनिश्चित कराने में विफल रहे। हालांकि इस बारे में बाजार संघ और कारोबार एवं उद्योग चैम्बर तथा दुकानदारों से लिखित आश्वासन मिलने के बाद कुछ शर्तों के साथ दुकान खोले जाने की इजाजत दे दी गई।

एनजीटी ने कहा-

व्यावसायिक प्रयोग में आरओ से पानी की भारी बर्बादी को रोकें

नई दिल्ली। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने कहा है कि केवल सार्वजनिक हित की कीमत पर कंपनियों के व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए आरओ प्यूरीफायर के इस्तेमाल में पानी की भारी बर्बादी को रोकने की जरूरत है। एनजीटी ने पर्यावरण और वन मंत्रालय (एमओइएफ) को उन क्षेत्रों में आरओ प्यूरीफायर पर प्रतिबंध लगाने के लिए बिना विलंब अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया जहां पानी में कुल घुलित ठोस (टीडीएस) का स्तर 500 मिलीग्राम प्रति लीटर से कम है। एनजीटी ने कहा कि यह उम्मीद नहीं थी कि एमओईएफ को इस मामले को अंतिम रूप देने और बार-बार स्थगन और विस्तार की मांग करने में वर्षो लगेंगे जो कानून के शासन के खिलाफ है।यह ध्यान देने की बात है कि आरओ की आवश्यकता भूजल में पाए जाने वाले कुल घुलित ठोस को अलग करने में होता है। आरओ के उपयोग में पानी की बर्बादी को एनजीटी ने अस्वीकार्य बताया है।हरित पैनल ने कहा कि केवल व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए बेशकीमती पानी बर्बाद किया जा रहा है। इस प्रवृत्ति को रोका जाना चाहिए। इस काम में मंत्रालय की ओर से जितनी देरी होगी इसे रोकने का उद्देश्य उतना ही प्रभावित होगा। यह पर्यावरण के हित के खिलाफ कार्य के बराबर है। एनजीटी अध्यक्ष जस्टिस आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने पर्यावरण एवं वन मंत्रालय को अगली तारीख से पहले सकारात्मक रूप से आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

कोरोना में महिला टीचर की गई नौकरी, अब कचरा गाड़ी चलाकर पाल रही परिवार का पेट

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के चलते दुनियाभर में लोगों ने अपनी नौकरी गंवाई और बदतर हालात देखे। कई लोग अभी भी गंभीर संकट से गुजर रहे हैं। इसी कड़ी में कोरोना के चलते अपनी नौकरी गंवाने वाली भुवनेश्वर में एक स्कूल टीचर ने शहर के नगर निगम के कचरा गाड़ी को चलाने का काम संभाल लिया है। स्मृतिरेखा बेहरा कोरोना काल से पहले भुवनेश्वर के एक प्ले और नर्सरी स्कूल में पढ़ाती थीं। वह अपने पति, दो बेटियों और ससुराल वालों के साथ शहर के पथबंधा स्लम में रहती है। बेहरा के परिवार में चीजें तब तक सामान्य थीं जब तक कि देश और दुनिया में कोविड-19 महामारी नहीं आ गई। कोरोना के चलते उसका स्कूल बंद हो गया। यहां तक कि महामारी के कारण होम ट्यूशन भी प्रतिबंधित कर दिया गया था। कोई विकल्प न होने पर, बेहरा ने भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) - 'मु सफाईवाला' के कचरा संग्रहण वाहन को चलाने का काम पकड़ लिया।

मैं वर्तमान में बीएमसी का कचरा वाहन चला रही हूं। परिवार को चलाने के लिए पिछले तीन महीनों से बीएमसी के साथ काम कर रही हूं।

पति को भी मिलनी बंद हो गई थी तंख्वाह

ये वाहन नगरपालिका के ठोस कचरे को एकत्र करता है और उन्हें हर दिन सुबह 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक डंप यार्ड में पहुंचाता है। एएनआई से बात करते हुए, बेहरा ने कहा, कोविड महामारी के कारण, स्कूल बंद हो गए, मुझे होम ट्यूशन कक्षाएं बंद करनी पड़ीं। मैं असहाय हो गई क्योंकि मेरे पास कोई अन्य विकल्प नहीं बचा था। इधर, मेरे पति को भी भुवनेश्वर में अपनी प्राइवेट नौकरी से कोई वेतन नहीं मिल रहा था।

उन्होंने कहा, मेरी दो बेटियां हैं। हम महामारी के दौरान उन्हें ठीक से खाना भी नहीं खिला पाए। मैंने परिवार चलाने के लिए दूसरों से पैसे लिए, लेकिन ये कब तक चलता। मैंने महामारी के दौरान अपने जीवन की सबसे खराब स्थिति देखी है। उन्होंने आगे कहा मैं वर्तमान में बीएमसी का कचरा वाहन चला रही हूं। परिवार को चलाने के लिए पिछले तीन महीनों से बीएमसी के साथ काम कर रही हूं। दूसरी लहर के दौरान घर-घर जाकर कचरा इकट्ठा करना काफी मुश्किल था। लेकिन, मुझे आगे बढ़कर काम करना ही होगा। मैं एक सफाई कर्मचारी के रूप में काम करने से कभी नहीं हिचकिचाती क्योंकि मैं अपने कर्तव्य का सम्मान करती हूं।

कब आएगी कोरोना की तीसरी लहर, कितनी होगी भयावह? सरकारी पैनल के वैज्ञानिकों ने सब बताया

नई दिल्ली। कोरोना महामारी मॉडलिंग से संबंधित एक सरकारी समिति के एक वैज्ञानिक ने कहा है कि अगर कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार का पालन नहीं किया जाता है, तो कोरोना वायरस की तीसरी लहर अक्टूबर-नवंबर के बीच चरम पर पहुंच सकती है, लेकिन दूसरी लहर के दौरान दर्ज किए गए दैनिक मामलों के आधे मामले देखने को मिल सकते हैं। 'सूत्र मॉडल' या कोविड-19 के गणितीय अनुमान पर काम कर रहे मनिंद्र अग्रवाल ने यह भी कहा कि यदि वायरस का कोई नया स्वरूप उत्पन्न होता है तो तीसरी लहर तेजी से फैल सकती है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने पिछले साल गणितीय मॉडल का उपयोग कर कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि का पूर्वानुमान लगाने के लिए समिति का गठन किया था। समिति में आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिक अग्रवाल के अलावा आईआईटी हैदराबाद के वैज्ञानिक एम विद्यासागर और एकीकृत रक्षा स्टाफ उप प्रमुख (मेडिकल) लेफ्टिनेंट जनरल माधुरी कानितकर भी हैं। इस समिति को कोविड की दूसरी लहर की सटीक प्रकृति का अनुमान नहीं लगाने के लिए भी आलोचना का सामना करना पड़ा था। अग्रवाल ने कहा कि तीसरी लहर का अनुमान जताते समय प्रतिरक्षा की हानि, टीकाकरण के प्रभाव और एक अधिक खतरनाक स्वरूप की संभावना को कारक बताया गया है, जो दूसरी लहर की मॉडलिंग के दौरान नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रकाशित की जाएगी। उन्होंने कहा, 'हमने तीन परिदृश्य बनाए हैं। एक 'आशावादी है। इसमें, हम मानते हैं कि अगस्त तक जीवन सामान्य हो जाता है, और वायरस का कोई नया स्वरूप नहीं होगा। दूसरा 'मध्यवर्ती है। इसमें हम मानते हैं कि आशावादी परिदृश्य धारणाओं के अलावा टीकाकरण 20 प्रतिशत कम प्रभावी है।' अग्रवाल ने विभिन्न ट्वीट में कहा, 'तीसरा' निराशावादी है। इसकी एक धारणा मध्यवर्ती से भिन्न है- अगस्त में एक नया, 25 प्रतिशत अधिक संक्रामक उत्परिवर्तित स्वरूप फैलता है (यह डेल्टा प्लस नहीं है, जो डेल्टा से अधिक संक्रामक नहीं है)। अग्रवाल द्वारा साझा किए गए ग्राफ के अनुसार, अगस्त के मध्य तक दूसरी लहर के स्थिर होने की संभावना है, और तीसरी लहर अक्टूबर और नवंबर के बीच अपने चरम पर पहुंच सकती है।

वैज्ञानिक ने कहा कि निराशावादी परिदृश्य के मामले में, तीसरी लहर में देश में रोजाना 1,50,000 से 2,00,000 के बीच मामले बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा मई के पूर्वार्ध में दूसरी लहर के चरम के समय आए मामलों से आधा है, जब अस्पतालों में मरीजों की बाढ़ आ गयी थी और हजारों लोगों की मृत्यु हो गई। अग्रवाल ने कहा, %यदि कोई नया म्यूटेंट आता है, तो तीसरी लहर तेजी से फैल सकती है, लेकिन यह दूसरी लहर की तुलना में आधी होगी। डेल्टा स्वरूप उन लोगों को संक्रमित कर रहा है जो एक अलग प्रकार के स्वरूप से संक्रमित थे। इसलिए इसे ध्यान में रखा गया है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे टीकाकरण अभियान आगे बढ़ेगा, तीसरी या चौथी लहर की आशंका कम होगी। अग्रवाल ने कहा कि आशावादी परिदृश्य में रोजाना मामले 50000 से 100000 हो सकते हैं।

वहीं, विद्यासागर ने कहा कि तीसरी लहर के दौरान अस्पताल में भर्ती होने के मामले कम हो सकते हैं। उन्होंने ब्रिटेन का उदाहरण दिया जहां जनवरी में 60,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें प्रतिदिन मौतों का आंकड़ा 1,200 था। हालांकि, चौथी लहर के दौरान, यह संख्या घटकर 21,000 रह गई और केवल 14 मौत हुई। विद्यासागर ने कहा, %ब्रिटेन में अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता वाले मामलों को कम करने में टीकाकरण ने प्रमुख भूमिका निभाई।%

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बेनकाब बंगाल सरकार

कलकत्ता उच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने पश्चिम बंगाल सरकार को चुनाव बाद हिंसा की सभी शिकायतों को प्राथमिकी के रूप में दर्ज करने का आदेश देकर ममता सरकार के इस झूठ की पोल खोल दी कि उनके राज्य में कहीं कोई हिंसा नहीं हुई। कलकत्ता उच्च न्यायालय का फैसला यह भी बताता है कि बंगाल पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों को सुनने से इन्कार किया। देश के राजनीतिक इतिहास में यह शायद पहली बार है जब किसी राज्य सरकार ने अपने ही लोगों के दमन, उत्पीड़न और पलायन का संज्ञान लेने से इन्कार करने के साथ यह झूठ भी फैलाया हो कि ऐसा कुछ नहीं हुआ। यह अच्छा है कि कुछ देर से सही, ममता सरकार हिंसा की इन भयानक घटनाओं पर पर्दा डालने की जो बेशर्म कोशिश कर रही थी, उसमें नाकाम भी हुई और बेनकाब भी। सबसे शर्मनाक यह रहा कि बंगाल पुलिस भी ममता सरकार के झूठ का साथ देती हुई नजर आई। बंगाल पुलिस के अधिकारियों को इससे लज्जित होना चाहिए कि उन्होंने हिंसा पीड़ित लोगों की मदद करने के बजाय उनकी उपेक्षा की। वास्तव में उन्होंने बिलकुल तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार किया। जिस राज्य की पुलिस सत्तारूढ़ दल के दास की तरह व्यवहार करे, उससे कोई उम्मीद नहीं की जा सकती। इसमें संदेह है कि उच्च न्यायालय के आदेश के बाद बंगाल पुलिस अपने दायित्वों को लेकर सजग होगी। आखिर जिस पुलिस ने अपने सामने हो रही हिंसा से मुंह मोड़ा हो, उससे यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि वह उच्च न्यायालय के आदेश पर अपना कर्तव्य पालन सही तरह करेगी? उचित होगा कि उच्च न्यायालय चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं की पुलिस जांच की निगरानी खुद करे। और भी उचित यह होगा कि वह इन घटनाओं की जांच के लिए किसी विशेष जांच दल का गठन करे। यदि वह यह काम नहीं करता तो फिर सर्वोच्च न्यायालय को इस दिशा में पहल करनी चाहिए, क्योंकि बंगाल में चुनाव बाद तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने अपने राजनीतिक विरोधियों के उत्पीड़न और दमन का जो घिनौना अभियान छेड़ा, वह राज्य के माथे पर कलंक से कम नहीं। इस दौरान लोगों को मौत के घाट उतारा गया और घरों-दुकानों में आगजनी के साथ दुष्कर्म भी किए गए। यदि चुनाव बाद हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों और उन्हें संरक्षण देने वालों को जवाबदेह नहीं बनाया गया तो फिर बंगाल में राजनीतिक हिंसा का दुष्चक्र थमने वाला नहीं है। इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि तृणमूल कांग्रेस ने राजनीतिक विरोधियों को डराने-धमकाने और उन्हें कुचलने के मामले में वही तौर-तरीके अपना लिए हैं, जो वाम दलों ने अपना रखे थे।

'आज के ट्वीट

तहजीब

तहज़ीब सीखा दी मुझे एक छोटे से मकान ने;
दरवाज़े पर लिखा था थोड़ा झुककर चलिये।

-- विवेक बिन्द्रा

पंजाब : सत्ता केंद्रित अवसरवादी राजनीति

राजकुमार सिंह

अचानक तेज हुई पंजाब की राजनीतिक सरगर्मियां क्या बताती हैं? यही कि बात अगर राजनेताओं के अपने हितों पर आ जाये, तो वे तीन कदमों में त्रिलोक माप लेने की कवायद और धरती पर ही स्वर्ग उतार लाने के वायदे करने से भी पीछे नहीं हटते। अब जबकि अगले विधानसभा चुनाव बमुश्किल नौ महीने ही दूर रह गये हैं, अपने-अपने सुरक्षित पनाहगाहों से निकले पंजाब के राजनेताओं में खुद को जनता की चिंता में दुबला दिखाने की होड़-सी लग गयी है। गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई और जर्जर कानून-व्यवस्था तो किसी भी भारतीय राज्य की शाश्वत समस्याएं हैं, पर सीमावर्ती राज्य होने के चलते पंजाब की समस्याएं अतीत और वर्तमान के घटनाक्रम से और भी जटिल हो गयी हैं। सीमा पार से जारी आतंक और उसके हथियारों से लेकर नशीले पदार्थों की तस्करी ने पंजाब के जनजीवन को गहरे तक प्रभावित किया है, पर उससे देश-प्रदेश के नीति-निर्धारकों का ज्यादा सरोकार नहीं रहा। शेष देश की तरह पिछला सवा साल पंजाब पर भी भारी पड़ा है। अबूझ वैश्विक महामारी कोरोना का कहर जिन भारतीय राज्यों पर सबसे ज्यादा बरपा, उनमें पंजाब भी है। कारणों पर अंतहीन बहस हो सकती है, राजनेता एक-दूसरे पर दोषारोपण में भी माहिर हैं ही, लेकिन अंतिम सच यही है कि पंजाब के समाज ने जान-माल पर कोरोना की बड़ी मार झेली है। सात महीनों से जो किसान आंदोलन देश की राजधानी दिल्ली की दहलीज पर चल रहा है, उसकी शुरुआत दरअसल पंजाब से ही हुई थी। लगभग एक माह तक पंजाब में रेल-सड़क यातायात ठप रहा। फिर अचानक किसानों ने दिल्ली में धरना देने का फैसला किया। दिल्ली में प्रवेश नहीं मिला तो सीमा पर ही डेरा डाल दिया। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह खुद को किसान हितैषी बताने का कोई अवसर नहीं चूकते। यह अलग बात है कि केंद्र के जिन तीन विवादास्पद कानूनों के विरुद्ध किसान आंदोलनरत हैं, उनसे संबंधित जो कानून पंजाब ने बनाया है, उसे भी कई कृषि जानकार किसानों के हित में नहीं मानते। ऐसा मानने वालों की भी कमी नहीं है कि अपने लिए मुसीबत बन रहे किसान आंदोलन को दिल्ली भेजकर केंद्र सरकार के गले डालने की चाल के सूत्रधार भी अमरेंद्र सिंह ही हैं। पिछले एक महीने से पंजाब में तेज हुई राजनीतिक सरगर्मियों के मद्देनजर स्वाभाविक सवाल तो यही है कि सवा साल से कोरोना की मार झेल रहे पंजाब और सात महीने से आंदोलनरत किसानों की मदद में इनमें से कोई राजनेता आगे क्यों नहीं आया? बेशक राजनेता चिकित्सक नहीं हैं कि बीमारों का इलाज कर पाते, लेकिन उसके अलावा भी बहुत कुछ ऐसा है, जो राजनेताओं की सामाजिक जिम्मेदारी के दायरे में आता है। क्या कोरोना की पहली लहर के बीच किसी राजनेता ने रोजगार से वंचित, खासकर पलायन को मजबूर हुए प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया? क्या किसी दल-नेता ने कोरोना से बचाव के लिए जरूरी सावधानियां बरतने की बाबत जागरूकता अभियान चलाया? और जब कोरोना की ज्यादा मारक दूसरी लहर में जरूरी दवाइयों से लेकर अस्पताल में बेड, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर तक आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गये, क्या कोई राजनेता रहनुमा बनकर सामने आया? इन सवालों का जवाब पंजाब के निवासी अच्छी तरह जानते हैं। अब केंद्र के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों की बात करें। दोनों ही पक्षों की हठधर्मिता के मद्देनजर कानूनों के गुण-दोष पर टिप्पणी को इस समय शायद ही कोई तार्किक दृष्टि से देखना चाहेगा। ऐसी जटिल परिस्थिति में मध्य मार्ग निकालने का दायित्व राजनीतिक दलों-नेताओं पर ही आता है, लेकिन जब राजनीति खुद ही कृषि कानूनों पर दो पालों में विभाजित हो गयी हो, तब किसी से क्या उम्मीद रखेंगे? किसानों का धरना दिल्ली की दहलीज पर जिन चार स्थानों पर चल रहा है, उसमें से दो - सिंघू और टीकरी हरियाणा में, तीसरा जयसिंहपुर खेड़ा राजस्थान में तथा चौथा गाजीपुर बॉर्डर उत्तर प्रदेश में हैं। बेशक गाजीपुर बॉर्डर पर उत्तर प्रदेश या कुछ हद तक उत्तराखंड के किसानों की मौजूदगी है। ऐसे ही जयसिंहपुर खेड़ा बॉर्डर पर राजस्थान के किसान हैं, लेकिन शेष दोनों स्थानों पर तो हरियाणा से ज्यादा पंजाब के ही किसान हैं। ऐसे में किसान आंदोलन का समाधान पंजाब की राजनीतिक और नैतिक जिम्मेदारी भी है, बशर्ते मकसद इसका चुनावी लाभ उठाना भर न हो। तर्क दिया जा सकता है कि किसान आंदोलन के मूल में केंद्र सरकार के किसान विरोधी कानून और उन पर उसकी हठधर्मिता ही है, तब स्वाभाविक सवाल यह होगा कि आंदोलनकारी किसानों और प्रभावित परिवारों की मदद के लिए पंजाब के किसी दल-नेता ने हाथ क्यों नहीं बढ़ाया? इस मामले में पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह की भूमिका केंद्र सरकार के मंत्रियों से मुलाकात और उन्हें पत्र लिखने तक सीमित रही है, तो पंजाब में कांग्रेस का कप्तान बनने को आतुर क्रिकेटर से राजनेता बने नवजोत सिंह सिद्धू की भूमिका 26 जून को अपने घर पर काला झंडा लगाने तक। शिरोमणि अकाली दल दावा कर सकता है कि उसने विवादास्पद कृषि कानूनों के विरोध में तथा किसानों के समर्थन में न सिर्फ केंद्र सरकार से अपनी मंत्री श्रीमती हरसिमरत कौर बादल को वापस बुला लिया, बल्कि भाजपा से लगभग ढाई दशक पुरानी दोस्ती भी तोड़ दी, पर यह अर्धसत्य है। पूरा सच यह है कि प्रकाश सिंह बादल की जगह उनके बेटे सुखबीर बादल के कमान संभालने के बाद अपने पैर पसारने को उतावली भाजपा अकाली दल में असंतुष्टों को हवा दे रही थी, जिससे दोनों के बीच दूरियां बढ़ने लगी थीं। यह भी कि जिन तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के विरोध में हरसिमरत कौर बादल के केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफे का ढिंढोरा पीटा जा रहा है, उन्हें जब पहले अध्यादेश के रूप में लागू किया गया था, तो उसे मंजूरी देने वाली नरेंद्र मोदी कैबिनेट में वह बाकायदा मंत्री बनी रहीं। जाहिर है, पंजाब में राजनीतिक सरगर्मियों के नाम पर हम जो देख रहे हैं, वह विशुद्ध सत्ता राजनीति है, जो अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाले चुनावों से प्रेरित है। पिछले लगभग सवा चार साल से कैप्टन अमरेंद्र सिंह पंजाब में कांग्रेस सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। नवजोत सिंह सिद्धू और प्रताप सिंह बाजवा सरीखों की बीच-बीच में सक्रियता और मुखरता को छोड़ दें तो कैप्टन का यह राज निष्कंटक भी रहा है। ऐसे में पंजाब के हालात को लेकर उठने वाले हर सवाल का जवाब उन्हें देना ही होगा, वह सवाल चाहे उच्च सत्ता महत्वाकांक्षाओं का शिकार सिद्धू पूछें अथवा सत्ता में वापसी को व्याकुल सुखबीर बादल या अकेलेदम पंजाब की राजनीति में अपनी प्रासंगिकता ढूंढ़ रही भाजपा। इसका अर्थ यह हरगिज नहीं कि इन लोगों-दलों से सवाल नहीं पूछे जाने चाहिए। सिद्धू को सार्वजनिक रूप से बताना चाहिए कि खुद के लिए सम्मानजनक पद की जद्दोजहद के अलावा कांग्रेस और पंजाब के लिए उनका राजनीतिक योगदान क्या रहा है? शिरोमणि अकाली दल प्रमुख के रूप में सुखबीर सिंह बादल को भी बताना चाहिए कि परंपरा के उलट मतदाताओं ने अकाली-भाजपा गठबंधन को 2007 और 12 में लगातार दस साल शासन का जनादेश दिया तो वे जन आकांक्षाओं की कसौटी पर खरा क्यों नहीं उतर पाये? यह भी कि ढाई दशक बाद अचानक फिर बसपा से गठबंधन का वैचारिक आधार क्या है? सवाल आम आदमी पार्टी से भी पूछा जाना चाहिए कि पिछले विधानसभा चुनाव में मुख्य विपक्षी दल के रूप में मिली जिम्मेदारी निभाने के बजाय वह आपस में ही क्यों लड़ती रही? अरविंद केजरीवाल ने वायदा तो कर दिया है कि आप को बहुमत मिलने पर पंजाब का मुख्यमंत्री सिख ही होगा, पर ऐसा कोई नेता है भी या यह निमंत्रण है दूसरे दलों के असंतुष्ट नेताओं को? और आखिर में भाजपा। खुद को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बताने वाली भाजपा के पास सिख बहुल राज्य पंजाब में एक भी ऐसा सिख नेता नहीं है, जिसकी पूरे प्रदेश में स्वीकार्यता हो। ध्यान रहे कि बड़बोले नवजोत सिंह सिद्धू कभी पंजाब में भाजपा का सिख चेहरा होते थे, लेकिन अपनी-अपनी अदूरदर्शिता से आज दोनों ही अजब दोराहे पर पहुंच गये हैं।

ज्ञान गंगा

पानी के स्रोत

जग्गी वासुदेव

भारत में एक बड़ी समस्या है कि हर कोई सोचता है कि वह पर्यावरण विशेषज्ञ है, सिर्फ इसलिए कि वह अखबार में एक लेख पढ़ लेता है, या उसने टीवी पर दो मिनट के लिए कुछ देखा है। अभी, हम प्रदूषण के बारे में चिंतित हैं क्योंकि अमेरिका और यूरोप प्रदूषण के बारे में बात कर रहे हैं। हमें यह बीमारी है कि जो कुछ भी अमेरिका या यूरोप में कहा जाता है, भारतीय उसे दोहराना चाहते हैं। देश में अंग्रेजी बोलने वाले लोगों के साथ यही एक बड़ी समस्या है। चाहे वह पत्रकार हो या तथाकथित पर्यावरण वैज्ञानिक, उसे सीधी बात समझाने में भी बहुत कठिनाई होती है, क्योंकि उसके दिमाग में हर समय यूरोप और अमेरिका नाचता है। असली समस्या प्रदूषण नहीं है। हमें समझना चाहिए कि नालों का पानी नदियों में जाना बंद हो जाता है, तो ज्यादातर नदियां नहीं बहेंगी। यमुना को ही लें। उसमें 90 प्रतिशत पानी नालों का है। आप सारे नालों के पानी को रोक दें, तो यमुना नहीं रहेगी। एक उष्णकटिबंध देश की वास्तविकताएं उस देश से बहुत अलग होती हैं, जिसकी जलवायु समशीतोष्ण है। हम जिस अक्षांश पर हैं, और हमारी जिस किस्म की जमीन है, यह बहुत अलग है। बुनियादी रूप से हमें गलतफहमी है कि नदियां पानी का स्त्रोत हैं। नहीं। इस देश में नदी, तालाब, या झील पानी के स्त्रोत नहीं हैं। पानी का स्त्रोत सिर्फ एक है; मानसून की बारिश। नदियां, तालाब, झील और कुएं पानी का गंतव्य स्थान हैं, स्त्रोत नहीं। हर साल मानसून की बारिश लगभग 3.6 से 4 लाख करोड़ टन पानी बादलों से गिराती है। जब यह एक हरा-भरा वर्षावन या उष्णकटिबंध वन था, तो हमने इस पानी के ज्यादातर हिस्से को भूजल के रूप में थामे रखा और नदियों, तालाबों, झीलों में धीरे-धीरे रिसकर जाने दिया। तो नदियां बहती रहीं। पिछले सौ सालों में, इस उपमहाद्वीप पर मानसूनी पानी में महत्त्वपूर्ण कमी नहीं आई है। लेकिन ज्यादातर नदियों में पानी औसतन 40 प्रतिशत कम हो गया है। समझने की जरूरत है कि यूरोप की नदियां अधिकतर ग्लेशियर से निकलती हैं, या उससे पोषित हैं, जबकि भारत की नदियां जंगलों से पोषित हैं। भारत की सिर्फ चार प्रतिशत नदियां ग्लेशियर से पोषित हैं, यह सिर्फ ऊपर उत्तर में है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

दीपिका के सधे निशानें

अरुण नैथानी

दीपिका के सधे निशानों से प्रतिष्ठा के जो दीप जले हैं, उसने देश का नाम रोशन किया है। हाल ही में पेरिस में संपन्न तीरंदाजी विश्वकप में उसने तीन सोने के पदक अपने बनाये हैं। गरीबी की तपिश में निखरी दीपिका अब दुनिया की नंबर वन धनुर्धर बन गई हैं। दुनिया में पहली बार सुखद संयोग यह कि दीपिका और उसके पति के तीर ने सोने पर निशाना लगाया है। विश्व तीरंदाजी में यह पहला मौका है कि पति-पत्नी ने अपने देश के लिये सोने के तमगे जीते हों। दोनों की इस सुनहरी कामयाबी से भारत की ओलंपिक में सोने के पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं। यह दूसरी बार है जब दीपिका ओलंपिक से ठीक पहले तीरंदाजी में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनी हैं। दीपिका ने पेरिस में हुए विश्व कप में इतिहास रचते हुए एकल, महिला रिकर्व टीम और मिश्रित युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। दीपिका विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में ऐसा कमाल करेगी, ऐसा किसी ने सोचा भी न था। वह भी व्यक्तिगत स्पर्धा में रूसी खिलाड़ी को 6-0 से हराकर उसने सबको हैरत में डाल दिया। वाकई दीपिका के करिश्में से पैदा हुई चमक से पूरी दुनिया की आंखें चुंधियायी हुई हैं। उसका जज्बा देखिये कि इस सफलता के बाद भी पैर जमीन पर हैं। उसने कहा कि ओलंपिक जीतने के लिये मैं अपने खेल में और सुधार करूंगी। मैं लगातार सीखती रहूंगी। ओलंपिक जीतना मेरा सपना है। यूं तो मेहनती दीपिका ने कड़े संघर्ष के बाद यह मुकाम हासिल किया है लेकिन धनुर्धर पति अतानु दास मिलने से उसका उत्साह बढ़ा है। जीतने की प्रेरणा बढ़ी है। उसकी कामयाबी में निखार आया है। अभ्यास के दायरे व गुणवत्ता में इजाफा हुआ है। सही मायनों में दीपिका ने अपने परिवार की गरीबी से लड़ने के लिये धनुष उठाया था। कड़ी मेहनत व तपस्या के बाद आज न केवल दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनी हैं बल्कि अपने परिवार को आर्थिक संबल और प्रतिष्ठा भी दिलाई है। लेकिन तीरंदाजी का यह सफर इतना आसान भी नहीं था। पहले पिता ने उसके लड़की होने के कारण उसे सैकड़ों मील दूर एकेडमी भेजने से मना कर दिया था। वजह यह कि लोग कहेंगे कि बच्ची को नहीं पाल पा रहे हैं। झारखंड में बेहद गरीबी में पली दीपिका का जन्म भी बेहद मुश्किलों में हुआ। जब उसके पैदा होने से पहले उसकी मां को अस्पताल ले जाया जा रहा था तो वह अस्पताल पहुंच नहीं पायी और टैंपो में ही उसने दीपिका को जन्म दिया। उन दिनों पिता शिव नारायण महतो छोटी-मोटी दुकान चलाते थे और मां गीता पांच सौ रुपये माह की नौकरी करती थी। उसके बाद पिता टैंपो चलाते थे और मां किसी अस्पताल में चतुर्थ श्रेणी की कर्मचारी थी। एक बार जब वह अपने ननिहाल गई तो ममेरी बहन ने किसी आर्चरी एकेडमी के बारे में बताया। जहां सब कुछ मुफ्त है आर्चरी की किट भी, रहना भी और खाना भी। तब तीरंदाजी सीखने की ललक के साथ माता-पिता का बोझ कम करना भी मन में था ताकि बाकी सदस्यों की परवरिश ठीक से हो सके। लेकिन पिता ने दोटूक शब्दों में मना कर दिया। लेकिन बाद में पिता को उसकी ललक और जिद के आगे झुकना पड़ा। वह कालांतर में खरसांवा एकेडमी में तीरंदाजी सीखने पहुंच गई। हालांकि, वहां संसाधनों का अभाव था। बाथरूम भी नहीं था और नहाने के लिये नदी पर जाना पड़ता था। जंगली जानवरों का भय बना रहता था। लेकिन जब सीखने की ललक और कुछ कर गुजरने की तमन्ना हो तो ऐसी चुनौतियां कहां टिक पाती हैं। कड़ी मेहनत व लगन से उसकी नई राहें खुलती चली गईं। आज 27 साल की उम्र में वह दूसरी बार दुनिया की नंबर वन खिलाड़ी बन गई है।

उसकी झोली में आये विश्व स्तरीय स्पर्धाओं नौ स्वर्ण, बारह रजत तथा सात कांस्य पदक बहाये पसीने की गवाही देते हैं। दीपिका ने अपनी इस यात्रा के चौदह सालों में अपार प्रतिष्ठा प्राप्त कर तमाम पुरस्कार जीते हैं। इस लंबे समय में तमाम उतार-चढ़ाव आये हैं। यहां तक कि शुरुआत में कमजोर शरीर होने के कारण उसे एकेडमी ने दाखिला देने तक से मना कर दिया। उसने कुछ माह का समय मांगा और खुद को साबित किया। उसने तीरंदाजी की शुरुआत बांस के धनुष-बाण से की। पहली बार ओलंपिक गई थी तो घर की आर्थिक हालत काफी पतली थी। लेकिन चौदह साल की उम्र में धनुष उठाने वाली दीपिका कुमारी आज सधे हुए निशाने लगा रही है। सही मायनों में दीपिका की प्रतिभा को धार तब मिली जब उनका परिचय वर्तमान कोच धर्मेंद्र तिवारी से हुआ। उन्होंने उसकी प्रतिभा को निखारा और उसके तीरों को धार दी। वर्ष 2008 में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की चयन प्रक्रिया के दौरान उसका संपर्क कोच धर्मेंद्र तिवारी से हुआ। वे उसे अपनी टाटा आर्चरी एकेडमी लाये। फिर उसकी प्रतिभा को निखारने के लिये अनुकूल वातावरण मिला। फिर वह वर्ष 2012 में विश्व की नंबर एक तीरंदाज बनी। लेकिन ओलंपिक स्पर्धाओं में वह इतनी भाग्यवान न रही, पहली बार वह तेज हवाओं के साथ सटीक निशाने न लगा सकी और ब्रिटिश खिलाड़ी से हार गई। हार की टीस उसे काफी दिनों तक परेशान करती रही। एक बार फिर वह ओलंपिक से ठीक पहले विश्व नंबर तीरंदाज बनी है और सवा अरब देशवासियों की उम्मीदें उफान पर हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि वह इसी माह टोक्यो ओलंपिक से पति के साथ सोना लेकर लौटे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इम्फाल, अगरतला को मिलेंगे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे: जितेंद्र सिंह

मुंबई। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों को इम्फाल और अगरतला हवाई अड्डे के रूप में जल्द दो नए हवाई अड्डे मिलेंगे जिसका उद्देश्य क्षेत्र के साथ विभिन्न संपर्क जरियों को बढ़ाना हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि ईटानगर हवाईअड्डा साल के आ खिर तक काम करना शुरू कर देगा और कोहिमा में भी यह सुविधा शुरू हो रही है। सिंह ने एक कार्यक्रम में कहा कि वर्तमान में गुवाहाटी में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। हम इम्फाल और अगरतला में भी हवाई अड्डे बनाने की योजना बना रहे हैं। सिंह ने कहा कि उन्होंने मंत्रालय का कार्यभार संभालने तक कभी भी पूर्वोत्तर का दौरा नहीं किया था, लेकिन उसके बाद उनकी जितनी भी बातचीत हुई उनमें क्षेत्र में संपर्क जरिया एक प्रमुख मुद्दे के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि अब उत्तर पूर्व क्षेत्र का स्वर्णिम काल आ गया है। जब भारत कोविड बाद के समय में अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर आगे बढ़ेगा तो उन क्षेत्रों की तरफ ध्यान दिया जायेगा जहां अब तक संभावनाओं का पूरी तरह दोहन नहीं हो सका है। केंद्रीय मंत्री ने सामाजिक कार्यकर्ता का नाम लिए बिना कहा कि वर्ष 2014 से पहले पूर्वोत्तर राज्यों में मार्ग में कई तरह की बाधाएं, विद्रोह और मुठभेड़ का माहौल था। मणिपुर में एक नेता जो मुंह में ट्यूब लेकर विरोध में बैठती थी, अब वह नहीं हैं। इसके अलावा केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि पर्यटन किसी जगह को लेकर धारणा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत को नीचे गिराने के लिए साजिश रची जाती है।

नागार्जुन फर्टिलाइजर्स को चौथी तिमाही में 219 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली । उर्वरक कंपनी नागार्जुन फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स ने बताया कि बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में उसका घाटा 218.99 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में उसका शुद्ध घाटा 134.15 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2021 की चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय घटकर 410.85 करोड़ रुपये रही जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 433.26 करोड़ रुपये थी।वहीं वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान कंपनी का घाटा बढ़कर 615.33 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2019-20 में 458.89 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी की आय भी घटकर 1,599.26 करोड़ राहु जबकि इससे पिछले वित्त में यह 1,733.51 करोड़ रुपये थी।

बीते वित्त वर्ष में देश का कोयला उत्पादन दो प्रतिशत घटकर 71.6 करोड़ टन पर

नई दिल्ली। देश का कोयला उत्पादन बीते वित्त वर्ष 2020-21 में 2.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 71.60 करोड़ टन रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में कोयला उत्पादन 73.08 करोड़ टन रहा था। कोयला मंत्रालय के 2020-21 के अस्थायी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।आंकड़ों के अनुसार बीते वित्त वर्ष में 71.60 करोड़ टन के कुल उत्पादन में नॉन-कोकिंग कोयले का हिस्सा 67.12 करोड़ टन और कोकिंग कोयले का 4.47 करोड़ टन रहा।देश के कुल कोयला उत्पादन में 68.59 करोड़ टन का उत्पादन सार्वजनिक क्षेत्र ने और शेष 3.01 करोड़ टन का उत्पादन निजी क्षेत्र ने किया। बीते वित्त वर्ष 2020-21 में छत्तीसगढ़ ने सबसे अधिक 15.84 करोड़ टन का कोयला उत्पादन दर्ज किया। ओडिशा 15.41 करोड़ टन के उत्पादन के साथ दूसरे स्थान पर रहा। उसके बाद मध्य प्रदेश 13.25 करोड़ टन और झारखंड 11.92 करोड़ टन का स्थान रहा।बीते वित्त वर्ष में झारखंड 4.43 करोड़ टन के साथ सबसे बड़ा कोकिंग कोयला उत्पादक रहा। कुल कोकिंग कोयले के 4.47 करोड़ टन के उत्पादन में झारखंड का हिस्सा 99.11 प्रतिशत रहा।कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि महामारी का प्रभाव सभी ओर पड़ा, लेकिन इसके बावजूद कोयला क्षेत्र ने अपनी जुझारू क्षमता का प्रदर्शन किया। इससे देश की अर्थव्यवस्था में कोयला क्षेत्र के योगदान का पता चलता है।

कोरोना की मार से 37 हजार होटल बिकने की कगार पर

मुंबई।

कोरोना महामारी के चलते देश के करीब 37 हजार ब्रैंडेड होटल बंद पड़े हैं जिससे होटल मालिकों को लाखों का नुकसान हो रहा है। इसलिए ये सारे होटल बिकने के कगार पर पहुंच गए हैं। होटल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के आंकड़ों के मुताबिक देश में कुल डेढ़ लाख ब्रांडेड होटल हैं जिनमें से करीब 25 प्रतिशत होटलों (करीब 37 हजार) पर बंद होने का संकट मंडरा रहा है। हालांकि इन होटलों में से कई होटल बहुत सस्ते और आकर्षक कीमतों पर बिकने को तैयार हैं लेकिन उन्हें खरीदार नहीं मिल पा रहे क्योंकि होटल इंडस्ट्री की जिन बड़ी चेन्स द्वारा ऐसे होटलों को खरीदे जाने की उम्मीद है, वह खुद आर्थिक संकट से जूझ रही हैं और उनके सामने पहले अपने बिजनेस को पटरी पर लाने की चुनौती है। कोरोना के कारण लोगों द्वारा ट्रैवल कम किया जा रहा है और दूसरी लहर के दौरान मई महीने में होटलों क एवरेज डेली रेट 16 से 18 प्रतिशत कम हो कर 3100 से 3300 रुपए रह गया है। इंटर ग्लोब होटल जैसी बड़े होटल बनाने और चलाने वाली चेन भी फिलहाल छोटे होटलों की खरीद के लिए जल्दबाजी में नहीं है कंपनी के सी.ई.ओ. जे.बी. सिंह का कहना है कि उन्हें हर महीने चार से पांच होटलों को खरीदने के प्रस्ताव आ रहे हैं लेकिन वह इन प्रस्तावों को हरी झंडी नहीं दे रहे क्योंकि उन्हें फिलहाल इसके लिए समय सही नहीं लग रहा। इंडस्ट्री जानकारों का मानना है कि इन सस्ते होटलों को खरीदने में हाई नैट वर्थ इन्वेस्टर और बड़े फंड रुचि दिखा सकते हैं। फिलहाल हर व्यक्ति स्थिति का आकलन कर रहा है और इंतजार कर रहा है और बंद पड़े होटलों के सौदे शुरू होने के लिए तीन माह तक का समय लग सकता है क्योंकि यह सौदे तीन महीने के बाद की स्थिति पर निर्भर करेंगे।

एयरटेल भुगतान बैंक को चालू वित्त वर्ष में लागत-आम बराबरी की स्थिति प्राप्त होने की उम्मीद

नयी दिल्ली,

एयरटेल भुगतान बैंक को चालू वित्त वर्ष में उसस्थिति में आज सकती है जब कि पहली बार कारोबार में आय लागत से ऊपर निकल जाती है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 में लॉकडाउन अंकुशों तथा प्रवासी मजदूरों के अपने गांवों की ओर लौटने की वजह नए खातों की संख्या तथा लेनदेन में इजाफा हुआ। ऐसे में कंपनी को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में वह लागत बराबर कर लाभ की स्थिति में पहुंच जाएगी। अधिकारी ने अपना नाम न प्रकट करने की शर्त पर कहा कि राजस्व में वृद्धि, परिचालन का स्तर बढ़ने तथा उत्पादों की बिक्री पर प्रति ग्राहक प्राप्ति बढ़ने से कंपनी चालू वित्त वर्ष में घाटे से उबर जाएगी। अधिकारी ने कहा कि महामारी और उसके बाद लगाए गए अंकुशों की वजह से ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी इलाकों में घर के पास बैंकिंग समाधानों की मांग बढ़ी और लोगों ने सुरक्षित डिजिटल भुगतान के विकल्प को चुना। इस दौरान बैंक के विविध उत्पादों मसलन डिजिटल भुगतान, मनी ट्रांसफर, बीमा, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ऋण, आधार आधारित भुगतान प्रणाली तथा संग्रह प्रबंधन सेवाओं की अच्छी मांग देखने को मिली।

एफपीआई ने जून में भारतीय बाजारों में किया 13,269 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली:

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने दो महीने बिकवाली बढ़ाने के बाद रुख बदलते हुए जून में भारतीय प्रतिभूति बाजारों में 13,269 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसियेट निदेशक (प्रबंधक अनुसंधान) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि इसकी वजह देश में कोविड-19 मामलों में लगातार आ रही कमी हो सकती है जिससे अर्थव्यवस्था के तेजी से खुलने की उम्मीद बढ़ी है। उन्होंने बताया कि इसके साथ साल की पहली तिमाही में अच्छे परिणाम और लंबे समय में सकारात्मक आय वृद्धि के रुख से भारतीय शेयरों में एफ्मीआई की रुचि के बढ़ने की वजह है। डिपॉजिटरी के आंकड़े के मुताबिक एफ्मीआई ने एक जून से 30 जून के बीच शेयरों में 17,215 करोड़ रुपए के लिवाल रहे तथा बांड बाजार से 3,946 करोड़ रुपए की निकासी की। इस तरह इस अवधि में उनकी ओर से कुल 13,269 रुपए का शुद्ध निवेश हुआ। इससे पहले मई और अप्रैल में विदेशी निवेशकों ने क्रमशः 2,666 करोड़ और 9,435 करोड़ रुपए निकाल लिए थे। एलकेपी सेक्योरिटीज के प्रमुख (अनुसंधान) एस रंगनाशन ने कहा, जून में अप्रैल और मई में लगा लॉकडाउन धीरे-धीरे हटाया गया और एफपीआई ने सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त प्रौद्योगिकी और बीमा जैसे कई क्षेत्रों में शेयर खरीदे जो लार्ज कैप एवं मिड कैप आधारित थे। कोटक सेक्योरिटीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष (इक्विटी टेक्नीकल रिसर्च) श्रीकांत चौहान ने कहा कि ताइवान, दक्षिण कोरिया और फिलीपीन को छोड़कर ज्यादातर उभरती अर्थव्यवस्थाओं और एशियाई बाजारों में इस महीने अब तक एफपीआई ने निवेश किया है।

करेंसी छापकर राजकोषीय घाटे का वित्तपोषण नहीं करे RBI, प्रसिद्ध अर्थशास्त्री की सलाह

नई दिल्ली:

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री पिनाकी चक्रवर्ती का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक को राजकोषीय घाटे के वित्तपोषण के लिए करेंसी नहीं छापनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह वित्तीय अपव्यय होगा। चक्रवर्ती ने साक्षात्कार में रविवार को उम्मीद जताई कि यदि कोई बड़ी तीसरी लहर नहीं होती है, तो भारत का आर्थिक पुनरुद्धार अधिक तेजी से होगा। राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) के निदेशक चक्रवर्ती ने कहा कि ऊंची मुद्रास्फीति निश्चित रूप से चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति को ऐसे स्तर पर स्थिर करने की जरूरत है, जिसका आसानी से प्रबंधन हो सके। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह बहस महामारी की शुरुआत के साथ शुरू हुई थी। राजकोषीय घाटे के वित्तपोषण के लिए करेंसी छापने पर विचार नहीं हुआ। मुझे नहीं लगता कि रिजर्व बैंक कभी ऐसा करेगा। चक्रवर्ती ने कहा, रिजर्व बैंक और सरकार के बीच सहमति ज्ञापन (एमओयू) के तहत हमने 1996 में इसे रोक दिया था। हम इसकी ओर वापस नहीं लौटना चाहिए। हाल के समय में विभिन्न हलकों से यह मांग की जा रही है कि केंद्रीय बैंक को करेंसी की छपाई कर राजकोषीय घाटे का वित्तपोषण करना चाहिए। रिजर्व बैंक द्वारा राजकोषीय घाटे के मौद्रिकरण का आशय यह है कि केंद्रीय बैंक सरकार के किसी आपात खर्च को पूरा करने के लिए करेंसी छापे और राजकोषीय घाटे को पूरा करे। चक्रवर्ती ने कहा कि भारत की मौजूदा वृहद आर्थिक स्थिति निश्चित रूप से कोविड-19 की पहली लहर की तुलना में अच्छी है। 'यदि काई बड़ी तीसरी लहर नहीं आती है, तो निश्चित रूप से आगे चलकर हमें अधिक तेज आर्थिक पुनरुद्धार देखने को मिलेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वह महामारी के दौरान रोजगार गंवाने वालों को नकदी प्रोत्साहन के पक्ष में हैं, उन्होंने कहा, ''अर्थव्यवस्था में गिरावट के दौरान हम रोजगार चक्र का बचाव नहीं कर सकते। रोजगार बढ़ाने के लिए तेज पुनरुद्धार सबसे जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लघु अवधि में वित्तीय उपायों के जरिए उपलब्ध कराए गए समर्थन से आजीविका को लेकर कुछ सुरक्षा मिलनी चाहिए। सरकार के सभी प्रोत्साहन उपायों के रोजकोषीय प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर चक्रवर्ती ने कहा कि प्रोत्साहनों का

उद्देश्य अर्थव्यवस्था का पुनरुद्धार है। उन्होंने कहा, ''प्रोत्साहन की क्षेत्रवार प्रकृति को समझने की जरूरत है, न कि यह सोचने कि इसे बजट के जरिए दिया गया है या अन्य तरीकों से।%% उन्होंने कहा कि जहां तक बजटीय प्रोत्साहनों की बात है, तो पिछले वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 9.5 प्रतिशत रहा था। उन्होंने कहा कि यदि राज्य सरकारों के राजकोषीय घाटे की बात करें, तो यह राज्य सकल घरेलू उत्पाद (एसजीडीपी) के करीब 4.5 प्रतिशत रहा था। ऐसे में कुल मिलाकर राजकोषीय घाटा जीडीपी के 14-15 प्रतिशत के बराबर है। एनआईपीएफपी के निदेशक ने कहा कि ऐसे में खर्च को बढ़ाने की गुंजाइश सीमित है।

गेल के चेयरमैन ने कहा, गैस मुख्य कारोबार रहेगा, वृद्धि के लिए पेट्रोरसायन क्षेत्र पर नजर

बिजनेस डेस्क:

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल इंडिया लि. पेट्रोरसायन क्षेत्र में विस्तार की तैयारी कर रही है। कंपनी के चेयरमैन मनोज जैन ने कहा कि स्पेशियल्टी रसायन और नवीकरणीय ऊर्जा उसकी नई रणनीति है जिसके जरिए कंपनी प्राकृतिक गैस से आगे अपने कारोबार का विस्तार कर सकती है। गेल के चेयरमैन ने साक्षात्कार में कहा कि कंपनी ने भविष्य की संशोधित रूपरेखा 'रणनीति 2030' को अपनाया है। यह कंपनी की अगले दशक की यात्रा को परिभाषित करेगी। देश की सबसे बड़ी गैस विपणन कंपनी के प्रमुख ने कहा, ''इस रणनीतिक योजना से हमें बदलते उद्योग परिदृश्य में चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी और भौगोलिक विस्तार के साथ हमें वृद्धि का नया क्षेत्र उपलब्ध होगा।'' गेल ने अपने 13,340 किलोमीटर के प्राकृतिक गैस ट्रंक पाइपलाइन के नेटवर्क के जरिये देश में कुल गैस में से 70 प्रतिशत का परिवहन किया है। कंपनी देश में बिकने वाली कुल प्राकृतिक गैस में से 55 प्रतिशत की बिक्री करती है। कंपनी के उत्तर प्रदेश के पाता तथा असम के लेपेटकाटा में पेट्रोरसायन संयंत्र हैं। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 17.5 प्रतिशत है। जैन ने कहा कि कंपनी महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के उसार में मौजूदा एलपीजी संयंत्र को 2023-24 तक 8,800 करोड़ रुपए के निवेश के साथ 5,00,000 टन सालाना के पोलीप्रोपोलीन परिसर में बदलेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में पोलिथिलीन और पोलीप्रोपोलीन की भारी मांग को पूरा करने के लिए कंपनी पेट्रोरसायन क्षेत्र में अवसर तलाशेगी। उन्होंने कहा कि हम भारत में चुनिंदा स्पेशियल्टी रसायनों के लिए अवसरों का आकलन कर रहे हैं। गेल के पास पवन और सौर बिजली उत्पादन क्षमता का 120 मेगावॉट का छोटा पोर्टफोलियो है। कंपनी का इरादा अगले तीन से चार साल में 4,000 करोड़ रुपए के निवेश से इसे बढ़ाकर एक गीगावॉट (1हजार मेगावाट)करने का है। जैन ने कहा, ''गैस हमारा प्रमुख खंड रहेगा लेकिन हम पेट्रोरसायन, स्पेशियल्टी रसायन, नवीकरणीय ऊर्जा और जल जैसे क्षेत्रों में भी वृद्धि के अवसर तलाशेंगे।'' गेल राष्ट्रीय गैस ग्रिड के महत्वपूर्ण खंडों को बिडाने के लिए 32,000 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है।

होंडा की कारों की कीमत अगले महीने बढ़ेंगी

नई दिल्ली ।

जापान कंपनी वाहन बनाने वाली कंपनी होंडा की योजना अगले महीने से भारत में अपने समूचे वाहनों की श्रृंखला के दाम बढ़ाने की है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस्पात और बहुमूल्य धातुओं जैसे आवश्यक जिंसों के दाम बढ़ने की वजह की उसे यह कदम उठाना पड़ रहा है। कंपनी भारतीय बाजार में सिटी और अमेज सहित विभिन्न मॉडल बेचती है। फिलहाल कंपनी यह तय कर रही है कि वह अपने ग्राहकों पर वाहन कीमतों में वृद्धि का कितना बोझ डालेगी। होंडा कार्स इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं निदेशक (विपणन एवं बिक्री) राजेश गोयल ने कहा कि इस्पात, एल्युमीनियम और बहुमूल्य धातुओं जैसे कच्चे माल के दाम बढ़ गए हैं। कुछ जिंसों के दाम तो अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर हैं। इससे हमारी उत्पादन की लागत प्रभावित हो रही है।''उन्होंने कहा कि कंपनी अभी मूल्यवृद्धि के ब्योरे पर काम कर रही है। मूल्यवृद्धि अगस्त से की जाएगी। गोयल ने कहा कि हमारा लक्ष्य ग्राहकों के लिए खरीद की लागत को कम रखने का है। अभी हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि अतिरिक्त लागत का कितना बोझ खुद वहन करें और कितना ग्राहकों पर डालें। संशोधित कीमतें अगले महीने से लागू होंगी।

कंपनियों को मिली राहत, एक्सचेंजों के जरिए शेयर या जिंसों की खरीद पर TDS काटने की जरूरत नहीं

बिजनेस डेस्क:

किसी मान्य शेयर बाजार या जिंस एक्सचेंज से कारोबार के दौरान किसी भी मूल्य (50 लाख रुपए से अधिक मूल्य के भी) के शेयरों या जिंसों की खरीद करने वाली कंपनियों को लेनदेन को लेकर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) नहीं करनी होगी। आयकर विभाग ने यह बात कही है। आयकर विभाग ने एक जुलाई से स्रोत पर कर कटौती का प्रावधान लागू किया है। यह 10 करोड़ रुपए से अधिक के कारोबार वाली कंपनियों पर लागू होगा। इस तरह की इकाइयों को एक वित्त वर्ष किसी निवासी से 50 लाख रुपए से अधिक की वस्तुओं की खरीद के भुगतान पर 0.1 प्रतिशत का टीडीएस काटने की जरूरत होती है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि यह प्रावधान स्टॉक एक्सचेंजों के जरिए शेयरों या जिंसों के लेनदेन पर लागू नहीं होगा।

आयकर विभाग ने कहा कि उसे इस तरह के ज्ञापन मिले हैं कि कुछ एक्सचेंजों और समाशोधन निगमों के जरिए लेनदेन में आयकर कानून की धारा 194 क्यू के तहत टीडीएस के प्रावधानों के क्रियान्वयन में व्यावहारिक दिक्कतें होती हैं। कई बार इस तरह के लेनदेन में खरीदार और विक्रेता के बीच एक-दूसरे से अनुबंध नहीं होता। सीबीडीटी की ओर से 30 जून को जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, इस तरह की कठिनाइयों को दूर करने के लिए कानून की धारा 194 क्यू ऐसे मामलों में लागू नहीं होगी जिनमें प्रतिभूतियों और जिंसों का लेनदेन मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों या समाशोधन निगमों के जरिए हुआ है। कंपनियों द्वारा टीडीएस काटने संबंधित धारा 194 क्यू को 2021-22 के बजट में पेश किया गया था। यह प्रावधान एक जुलाई, 2021 से लागू हुआ है।

जुलाई में भी सताएगी महंगाई, गैस और दूध की कीमतों से हुई शुरुआत

बिजनेस डेस्क:

तेल कंपनियों द्वारा 1 जुलाई से घरेलु रसोई गैस की कीमत में 25 रुपए के वृद्धि किए जाने के साथ ही देश की सबसे बड़ी मिल्क को-आपरेटिव अमूल और पंजाब की सरकारी मिल्क को-आप्रेटिव वेरका ने दूध की कीमतों में दो रुपए प्रति किलो की वृद्धि कर दी है। मतलब साफ है कि जुलाई के पहले दो दिन में ही आम लोगों को महंगाई के दो बड़े झटके लग गए हैं। अमूल और वेरका द्वारा दूध की कीमतें बढ़ाने के बाद अब सामान्य मिल्क की आपूर्ति करने वाले भी दूध की कीमतें बढ़ाएंगे और इसके साथ ही दूध से बनाए जाने वाले अन्य उत्पादों मखन्न, दही, पनीर और देसी घी की कीमतें भी बढ़ेंगी। पेट्रोल और डीजल की रोजाना बढ़ रही कीमतों से आम लोग पहले से ही परेशान थे और अब पेट्रोल-डीजल की महंगाई का सीधा असर रसोई पर पड़ने लगा है जिस से आम लोगों का बजट बिगड़ना तय है।

आयात ड्यूटी घटने से खाद्य तेलों की कीमतों पर असर नहीं

पिछले एक साल में सबसे ज्यादा महंगाई खाद्य तेलों में देखने को मिली है और सरसों के तेल से लेकर सूरजमुखी, मूंगफली और वनस्पति का तेल काफी महंगा हो गया है। सबसे ज्यादा तेजी सूरजमुखी के तेल में आई है और इसकी रिटेल कीमत 128 रुपए प्रति पैकेट से बढ़कर 193 रुपए हो गई है। हालांकि केंद्र सरकार ने खाद्य तेलों की महंगाई को कम करने के लिए पिछले दिनों इसके आयात पर लगाए जाने वाले शुल्क को कम किया है। सरकार ने पालम आयल पर लगने वाली इम्पोर्ट ड्यूटी को 15 प्रतिशत से कम कर के 10 प्रतिशत कर दिया था ताकि पालम आयल का आयत सस्ता होने से घरेलू बाजार में खाद्य तेल सस्ते हो सकें लेकिन सरकार के इस कदम के बाद अगले ही दिन अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पालम आयल की कीमतों में तेजी आ गई और मलेशिया में पालम आयल की कीमतें करीब डेढ़ प्रतिशत तेज हो गईं लिहाजा अब सरकार द्वारा इम्पोर्ट ड्यूटी के जरिए दी गई राहत का असर लगभग समाप्त हो गया है और रिटेल उपभोक्ताओं का अब इसका फायदा नहीं मिल पाएगा।

वृहद आंकड़ों, TCS के नतीजों, वैश्विक रुख से तय होगी बाजार की दिशा

बिजनेस डेस्क:

शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह वृहद आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजों तथा वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू बाजार वैश्विक बाजारों से दिशा लेता रहेगा। कोविड-19 के मामलों में कमी तथा टीकाकरण की दिशा में प्रगति से बाजार में उम्मीद का संचार होगा।'' उन्होंने कहा कि इस सप्ताह सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े आने हैं जिससे कारोबारी धारणा प्रभावित होगी। सैमको सिक्योरिटीज की इक्विटी शोध प्रमुख निराली शाह ने कहा, ''चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों के सीजन की शुरुआत हो रही है। ऐसे में इस सप्ताह सभी की निगाह लार्ज और मिडकैप आईटी कंपनियों पर रहेगी।'' सबसे पहले बृहस्पतिवार को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का तिमाही परिणाम आएगा। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''तिमाही नतीजों के मोर्चे पर किसी तरह की निराशा से कुल सकारात्मक धारणा प्रभावित हो सकती है। हालांकि, अर्थव्यवस्था के खुलने तथा टीकाकरण की रफ्तार बढ़ने से हमें उम्मीद है कि तिमाही नतीजे बेहतर रहेंगे।'' इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपए का उतार-चढ़ाव, कच्चे तेल की कीमतें तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश का रुख भी बाजार को दिशा देंगे। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 440.37 अंक या 0.83 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंप नियों में से आठ का बाजार पूंजीकरण 65,176 करोड़ घटा

- 10 प्रमुख कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

सेंसेक्स की दस प्रमख कंप नियों में से आठ के बाजार पूंजीकतरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 65,176.78 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और एचडीएफसी बैंक रहे। समीक्षाधीन सप्ताह में सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। बीते सप्ताह टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 20,400.27 करोड़ रुपए घटकर 12,30,138.03 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी बैंक के बाजार मूल्यांकन में 18,113.03 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 8,18,313.66 करोड़ रुपए पर आ गया। एचडीएफसी का बाजार मूल्यांकन 5,837.3 करोड़ रुपए घटकर 4,46,941.10 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का 5,762.02 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 4,43,404.75 करोड़ रुपए रह गया। बजाज फाइनेंस लिमिटेड की बाजार हैसियत 4,614.48 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 3,62,047.96 करोड़ रुपए और भारतीय स्टेट बैंक की 3,748.34 करोड़ रुपए के नुकसान से 3,78,894.38 करोड़ रुपए रह गई। कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,697.15 करोड़ रुपए घटकर 3,40,237.26 करोड़ रुपए और इन्फोसिस का 3,004.19 करोड़ रुपए के नुकसान से 6,67,911.74 करोड़ रुपए रह गया। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 15,785.21 करोड़ रुपए बढ़कर 13,49,794.23 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 9,245.63 करोड़ रुपए बढ़कर 5,84,695.18 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, बजाज फाइनेंस तथा कोटक महिंद्रा बैंक का स्थान रहा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने इक्वाडोर को 3-0 से हराया

रोम। स्टार खिलाड़ी लियोनना मैसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने कोपा अमेरिका फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मेंइक्वाडोर को 3-0 से हरा दिया है। अब अर्जेंटीना का सामना सेमीफाइनल में कोलंबिया से होगा। मेसी ने इक्वाडोर के खिलाफ एक गोल किया पर अन्य दो गोल करने में टीम के साथियों की सहायता की थी। मेसी के पास पर रोड्रिगो डी पॉल ने 40वें और लुतारो मार्टिनेज ने 84वें मिनट में गोल किये थे। मैच के आखिरी क्षणों में मेसी ने फ्री किक पर टीम के लिए एक गोल दागा। मेसी का यह 149 इंटरनेशनल में 76वां गोल था। वहीं इस टूर्नामेंट में यह उनका चौथा गोल था। अब मेसी की नजर महान फुटबॉलर पेले के 92 मैचों में 77 गोल के रिकार्ड पर है। इसके अलावा मेसी ने अपने करियर में 58वीं बार फ्री किक पर गोल दागते हुए पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो को भी पीछे छोड़ दिया। वहीं इससे पहले एक अन्य क्वार्टर फाइनल में कोलंबिया ने उरूग्वे को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया था। कोलंबिया ने उरूग्वे को हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाकर साल 2001 के बाद अपना पहला खिताब जीतने की उम्मीदें बनाये रखीं हैं।ओस्पिना का यह 112वां मैच था और वह पूर्व कप्तान कार्लोस वेल्डेरमा को पीछे छोड़कर कोलंबिया की तरफ से सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी बने।

रिकॉर्ड बनाने के बाद मिताली ने कहा- रनों की भूख अब भी जस की तस

वार्सेस्टर ।

भारतीय महिला टीम की कप्तान मिताली राज ने कहा कि उनकी रन बनाने की भूख अब भी वैसी ही है जैसे 22 साल पहले हुआ करती थी और वह अगले साल न्यूजीलैंड में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए अपनी बल्लेबाजी को नए मुकाम पर ले जाने की कोशिश कर रही है। मिताली की 89 गेंदों पर नाबाद 75 रन की पारी से भारत ने शनिवार को तीसरे और अंतिम वनडे में इंग्लैंड को चार विकेट से हराया। इस पारी के दौरान मिताली महिला क्रिकेट के सभी प्रारूपों में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज भी बनी। आयरलैंड के खिलाफ 26 जून 1999 को मिल्टन केयेन्स में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने वाली मिताली ने कहा कि जिस तरह से चीजें आगे बढ़ी हैं, यह यात्रा आसान नहीं रही। इसकी अपनी परीक्षाएं और चुनौतियां थी। मेरा हमेशा मानना रहा है कि परीक्षाओं का कोई उद्देश्य होता है और अब मुझे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 22 साल हो गए हैं लेकिन रनों की भूख अब भी कम नहीं हुई हैं। उन्होंने वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मेरे अंदर अब भी वही जुनून है। मैदान पर उतरकर भारत के लिये मैच जीतना। जहां तक मेरी बल्लेबाजी का सवाल है तो मुझे लगता है कि इसमें अब भी सुधार की संभावना है और इस पर मैं काम कर रही हूं। कुछ ऐसे आयाम हैं जिन्हें मैं अपनी बल्लेबाजी में जोड़ना चाहती हूं। मिताली ने 2019 में ही टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और वह पहले ही संकेत दे चुकी हैं कि न्यूजीलैंड में चार मार्च से तीन अप्रैल 2022 के बीच होने वाला महिला विश्व कप उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। यह 38 वर्षीय खिलाड़ी बल्लेबाजी में अपनी भूमिका निभाने के साथ अन्य खिलाड़ियों के लिये मार्गदर्शक की भूमिका का पूरा आनंद उठा रही है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी हमेशा टीम में मेरे लिए मुख्य भूमिका रही है। ऐसी भूमिका जिसे वर्षों पहले मुझे सौंप दिया गया था। बल्लेबाजी इकाई की जिम्मेदारी संभालना और पारी संवारना। लक्ष्य का पीछा करते हुए अन्य बल्लेबाजों के साथ पारी संवारने के लिए आपके सामने बेहतर तस्वीर होती है। मैं खेल पर नियंत्रण बनाए रखने में सक्षम हूं। इससे मुझे और टीम की अन्य युवा लड़कियों को फायदा मिलता है। इससे जब आप क्रीज पर होते हैं तो टीम को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है।

मिताली ने आलराउंडर स्नेह राणा की भी प्रशंसा की जिनके साथ उन्होंने सातवें विकेट के लिए 50 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। उन्होंने कहा कि स्नेह राणा को श्रेय देना जरूरी है क्योंकि वह साझेदारी महत्वपूर्ण थी। निश्चित तौर पर हम उस स्थान पर ऐसा खिलाड़ी चाहते थे जो लंबे शॉट खेल सके और गेंदबाजी में कुछ ओवर भी कर सके। इसलिए उसका टीम में होना अच्छा है।

उसने दिखाया कि उसमें एक अच्छा खिलाड़ी बनने के लिए जज्बा है। आज की क्रिकेट में आलराउंडर की भूमिका अहम होती है। मिताली ने उम्मीद जताई कि उप कप्तान और टी20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर जल्द ही फॉर्म में वापसी कर लेगी। उन्होंने कहा कि ऐसा किसी भी खिलाड़ी के साथ हो सकता है। कई बार आप फॉर्म में नहीं होते हो लेकिन एक टीम के रूप में आपको उस खिलाड़ी का साथ देना होता है जो मैच विजेता हो। हम जानते हैं कि उसने अपने दम पर हमारे लिये मैच जीते हैं। अभी उसे टीम से समर्थन की जरूरत है।

दौरे के मध्य टीम में बदलाव पर बोले कपिल देव, यह खिलाड़ियों के लिए अपमानजनक है

स्पोर्ट्स डेस्क ।

कपिल देव का कहना है कि भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे के दौरान दौरे के मध्य में टीम में कोई भी बदलाव नहीं करना चाहिए क्योंकि 20 खिलाड़ी पहले से ही राष्ट्रीय टीम को देखने के लिए पर्याप्त हैं। भारत ने 20 खिलाड़ियों के दस्ते के साथ इंग्लैंड की यात्रा की है, लेकिन अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है या किसी कारण से स्वदेश लौटना पड़ता है, तो उसके पास बैकअप विकल्पों में किसी और खिलाड़ी को बुलाने का विकल्प भी है। कपिल देव ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इसकी कोई आवश्यकता है। चयनकर्ताओं के लिए भी कुछ सम्मान होना चाहिए। उन्होंने एक टीम चुनी है और मुझे यकीन है कि यह उनके (शास्त्री और कोहली) परामर्श के बिना नहीं होता। कपिल ने एक मीडिया हाउस से कहा, मेरा मतलब है, आपके पास केएल राहुल और मयंक अग्रवाल के रूप में 2 बड़े ओपनिंग बल्लेबाज हैं। क्या आपको वास्तव में तीसरे विकल्प की जरूरत है? उन्होंने कहा, मैं इस सिद्धांत से आश्वस्त नहीं हूं। उन्होंने जो टीम चुनी है, उसके पास पहले से ही सलामी बल्लेबाज हैं इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें खेलना चाहिए। अन्यथा, यह उन खिलाड़ियों के लिए अपमानजनक है जो पहले से ही टीम में हैं। मैं चाहता हूं कि कप्तान और प्रबंधन को अपनी बात रखनी चाहिए, लेकिन चयनकर्ताओं पर हावी होने की कीमत पर नहीं और यह कहना चाहिए कि 'ये ऐसे खिलाड़ी हैं जिनकी हमें जरूरत है'। 1983 विश्व कप के कप्तान ने कहा, उस स्थिति में हमें चयनकर्ताओं की भी जरूरत नहीं है। मुझे यह जानकर थोड़ा अजीब लग रहा है कि ऐसा कुछ हुआ है क्योंकि अगर ऐसा हुआ है तो यह चयनकर्ताओं और उनकी भूमिका को नीचा दिखाता है। उन्होंने कहा, केवल विराट और रवि ही ऐसा कह सकते हैं। मुझे लगता है कि एक गलत सेट-अप है। आपने जिन खिलाड़ियों का समर्थन किया है, आप उन्हें कम नहीं कर सकते। वे बड़े खिलाड़ी हैं और मैं नहीं चाहता कि ऐसा कुछ हो। ना किसी भी अनावश्यक विवाद की जरूरत है।

एशियाई धरती पर टेस्ट मैच खेलने को बेताब है स्टीव स्मिथ, दिया यह बयान

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैच सहित भारतीय उपमहाद्वीप में खेले जाने वाले इस प्रारूप के 8 मैचों के दौरान 'शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक' रूप से संघर्ष करने के लिए तैयार हैं। कोविड-19 महामारी के कारण पिछले भविष्य दौरा कार्यक्रम के मुताबिक ऑस्ट्रेलियाई टीम विदेशी सरजमीं पर सिर्फ इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला खेल पाई थी। बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका का उसका दौरा रद्द हो गया था। भविष्य के दौरा कार्यक्रम के अगले चक्र में उसे विदेशी दौरे पर भारत के खिलाफ चार जबकि पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ दो-दो टेस्ट मैच खेलने हैं। टीम को इसके साथ ही 10 टेस्ट मैचों की मेजबानी भी करनी है। स्मिथ ने कहा कि मैंने भविष्य का दौरा कार्यक्रम को देखा है और यह काफी व्यस्त है, इसमें काफी कुछ है। जाहिर तौर पर एशेज और फिर उपमहाद्वीप के दौरे हैं, जो विशेष रूप से टेस्ट क्रिकेट में आपको शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से चुनौती पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि इसमें अच्छे दौरे है और एक खिलाड़ी के रूप में यह वास्तव में आपकी कड़ी परीक्षा लेगा। मैं निश्चित रूप से उसका इंतजार कर रहा हूं। मुझे लगता है (डब्ल्यूटीसी) एक बहुत अच्छी अवधारणा है। इससे आप हर मुकाबले को अधिक प्रासंगिक बनाते हैं। मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा है। हम वहां (डब्ल्यूटीसी फाइनल में) नहीं होने से बहुत निराश थे। ऑस्ट्रेलिया के मौजूदा बल्लेबाजों में सिर्फ स्मिथ और डेविड वार्नर ने ही एशिया में शतक लगाए हैं।

भारत के पास इंग्लैंड को उसी के घर में हराने का 'बराबरी का मौका: इयान चैपल

मेलबर्न । आस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी इयान चैपल को लगता है कि शानदार तेज गेंदबाजी आक्रमण के चलते भारत के पास आगामी पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड को उसकी सरजमीं पर हराने का 'बराबरी% का मौका है। उन्होंने कहा कि भले ही भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल गंवा दिया हो लेकिन उसकी तेज गेंदबाजी हाल के वर्षों में काफी बेहतरीन हुई है जिससे वह बीते समय की वेस्टइंडीज और आस्ट्रेलियाई टीम जैसी दिखती है। चैपल ने अपने कॉलम में लिखा कि हाल के वर्षों में भारतीय टीम तेज गेंदबाजी करने वाली कुशल टीमों की श्रेणी में शामिल हो गई है। इसके परिणामस्वरूप ही उसने आस्ट्रेलिया में जीत का स्वाद चखा और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंची। और अब उसके पास इंग्लैंड को उसी के ही घर में हराने का बराबरी का मौका है। अच्छी तेज गेंदबाजी इकाई के निश्चित रूप से अपने ही फायदे हैं। पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान का मानना है कि भारत के लिये मोहम्मद शमी, इशांत शर्मा, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे तेज गेंदबाजों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने साथ ही न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों की भी प्रशंसा की और उन्हें वेस्टइंडीज की 1970 से 90 के दशक की गेंदबाजी चौकड़ी के समान निर्भीक करार दिया। चैपल ने कहा कि

न्यूजीलैंड की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में टिम साउदी, ट्रेंट बोल्ट, नील वैगनर और काइल जैमीसन की तेज गेंदबाजी चौकड़ी ने जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। न्यूजीलैंड के आक्रमण का प्रभाव ऐसा था कि इसकी तुलना वेस्टइंडीज की 1970 से 1990 दशक की तेज गेंदबाजी चौकड़ी से होने लगी।

संक्षिप्त समाचार

ओलंपिक के लिए भारतीय खिलाड़ियों का पहला जत्था 14 जुलाई को होगा रवाना

चेन्नई । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के महासचिव राजीव मेहता ने शनिवार को कहा कि तोक्यो ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों का पहला दल 14 जुलाई को एयर इंडिया की चार्टर्ड उड़ान से रवाना होगा। मेहता ने बताया कि दल के बाकी सदस्य 16 से 19 जुलाई के बीच रवाना होंगे। तोक्यो पहुंचने पर सभी एथलीटों और अधिकारियों को तीन दिनों के लिए पृथकवास में रहना होगा। आईओए अधिकारी ने यहां तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले कुछ भारतीय खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'वहां पहुंचने पर हमें तीन दिनों तक पृथकवास में रहना होगा। आगमन के दिन को शून्य दिवस कहा जाता है। पृथकवास के बाद हम बाहर निकल सकते हैं।' मेहता ने कहा, 'ओलंपिक के लिए भारतीय दल का पहला जत्था 14 जुलाई को एयर इंडिया की चार्टर्ड उड़ान से रवाना होगा जिसमें खिलाड़ी और अधिकारी शामिल हैं। बाकी अधिकारी 16 से 19 जुलाई के बीच यात्रा करेंगे।' तोक्यो ओलंपिक का आयोजन 23 जुलाई से आठ अगस्त तक होगा। मेहता ने स्वीकार किया कि कोविड-19 महामारी ने कुछ हद तक भारतीय एथलीटों की खेलों की तैयारी को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, 'महामारी से प्रभावित होने के बाद भी भारतीय खिलाड़ी इन खेलों के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसमें 115 खिलाड़ियों ने अब तक 18 खेलों में क्वालीफाई किया है, जिसमें तलवारबाजी में पहली बार ऐतिहासिक क्वालीफिकेशन भी है।' तमिलनाडु की सीए भवानी देवी ओलंपिक में स्थान पक्का करने वाली भारत की पहली तलवारबाज हैं। इस कार्यक्रम में भवानी देवी के साथ टेबल टेनिस खिलाड़ी जी साथियान और शरत कमल के अलावा फर्राटा धाविका दुती चंद भी मौजूद थे।

अब जेल में बंद पहलवान सुशील कुमार ने मांगा टीवी

नई दिल्ली। जूनियर पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड में आरोपी ओलंपियन पहलवान सुशील कुमार ने जेल प्रशासन से टीवी की मांग की है। तिहाड़ प्रशासन को लिखे पत्र में सुशील ने कहा है कि उसे अपनी सेल में टीवी की जरूरत है क्योंकि वह देश और दुनिया भर की खबरों से जुड़े रहना चाहता है। सुशील ने इस पत्र में लिखा है कि वह पहलवान है। पहलवानी उसका खेल होने के साथ ही शौक भी है। इसलिए वह टीवी के जरिए दुनिया में पहलवानी के टूर्नामेंट देखना चाहता है। सुशील के इस पत्र पर हालांकि अभी तक जेल प्रशासन ने कोई फैसला नहीं लिया है। सुशील तिहाड़ के जेल नंबर 2 की एक हाई सिक्योरिटी वाली सेल में बंद है। फिलहाल उसे जेल मैन्युअल के अनुसार ही अखबार मिलता है। इससे पहले भी सुशील कुमार ने जेल में हाई प्रोटीन आहार की मांग की थी। जिसे कोर्ट और जेल प्रशासन ने ठुकरा दिया था।

तिहरा शतक लगाने वाले इस बल्लेबाज को फिर मिल सकती है भारतीय टीम में जगह : संजय बांगर

स्पोर्ट्स डेस्क।

भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर को लगता है कि भारतीय टीम प्रबंधन करुण नायर पर थोड़ा कठोर था, जिन्हें सिर्फ एक या दो टेस्ट मैचों में औसत प्रदर्शन करने के बाद बाहर कर दिया गया था। हालांकि उन्हें लगता है कि इस खिलाड़ी को भारतीय टीम में जगह मिल सकती है। कर्नाटक के बल्लेबाज ने 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में अपने तीसरे टेस्ट में तिहरा शतक बनाया। उन्होंने वीरेंद्र सहवाग के बाद भारत का दूसरा तिहरा शतक बन गया और खेल के इतिहास में केवल तीसरे व्यक्ति ने पहले टेस्ट टन को ट्रिपल में बदला। संजय बांगर ने कहा कि करुण नायर को अपने समग्र प्रथम श्रेणी नंबर के कारण टेस्ट क्रिकेट में टीम में जगह बनाने का मौका मिल सकता है। एक वेबसाइट से बात करते हुए बांगर ने कहा कि एक खिलाड़ी जो मध्य क्रम के लिए कतार में है, वह करुण नायर हो सकता है क्योंकि उसका टेस्ट मैच रिकॉर्ड और प्रथम श्रेणी में उसके ओवरऑल नम्बर्स भी है। करुण को एक या दो टेस्ट में औसत प्रदर्शन के बाद दरकिनार कर दिया गया था। बांगर ने हनुमा विहारी की भी प्रशंसा की और कहा कि विहारी अतीत में उनके अच्छे योगदान के कारण एक अच्छा निवेश रहा है। हाल ही में

सिडनी (2021) टेस्ट को ड्रॉ कराने में उनका मुख्य प्रयास था। वह काफी काबिल बल्लेबाज हैं। भारत के उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे पर भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच ने कहा, ÷अजिंक्य ने हमेशा प्रदर्शन किया है जब भारत ने विदेश में एक टेस्ट जीता है लेकिन यहां तक कि वह खुद को एक बड़ी श्रृंखला बनाना चाहते हैं जो उन्हें अपने करियर में अब तक नहीं मिला है। ÷वह खेल के विचारक के अलावा एक उत्सुक छात्र और बहुत ही प्रेरित खिलाड़ी रहा है। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में वह पूरी श्रृंखला में भारी स्कोर कर सकता है और उसके लिए चीजें वहां से बेहतर हो सकती हैं।

साजन प्रकाश को ओलंपिक के सेमीफाइनल या फाइनल तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

गर्दन की चोट से उबरने के बाद तोक्यो ओलंपिक के लिये 'ए' कट से क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय तैराक साजन प्रकाश 23 जुलाई से शुरू होने वाले इस महासमर में सेमीफाइनल या फाइनल तक पहुंचने की उम्मीद लगाए हैं। केरल के पुलिस अधिकारी साजन ने इटली के रोम में सेटी कोली ट्राफी में 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में 1:56.38 सेकेंड का समय निकालकर ए कट से ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाला पहला भारतीय तैराक बनकर इतिहास रचा। ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने का समय 1:56.48 सेकेंड था। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) द्वारा आयोजित वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में साजन ने कहा, 'अभी ओलंपिक शुरू होने में 20 दिन हैं तो छोटी छोटी चीजों पर काम करेंगे, गति बढ़ाने पर काम करेंगे। मुझे पूरा भरोसा है कि मैं इस समय को और कम करने में सफल रहूंगा जिससे मैं सेमीफाइनल या फाइनल तक भी पहुंच सकता हूं।' साजन का यह दूसरा ओलंपिक होगा और उनका कहना है कि 2016 रियो ओलंपिक के बाद उन्होंने काफी चीजें सीखी हैं। कोविड-19 के कारण लगे लॉकडाउन से हालांकि काफी दिक्कतें पेश आईं क्योंकि तरणताल सबसे पहले बंद हो जाते थे और बस कमरे में ही सीमित रहना पड़ता था जिससे उन्हें चोट से उबरने में भी परेशानी हुई। उन्होंने कहा, 'पिछले साल मार्च में इटली में था लेकिन स्विमिंग पूल में नहीं जा सकते थे, कमरे में ही थे। जून में थाईलैंड में था लेकिन ट्रेनिंग नहीं कर सकते थे। फिर चिकनगुनिया हो गया तो मुझे मूवमेंट में काफी दिक्कत होती थी। फिर दुबई में अगस्त से ट्रेनिंग शुरू हुई।' साजन ने कहा, 'मैंने ट्रेनिंग के बाद बदलाव देखना शुरू किया। मैं कुशाग्र (रावत) से प्रतिस्पर्धा करता था। नवंबर में मैंने स्थानीय प्रतियोगिता में फीस्टाइल वर्ग में हिस्सा लिया और इसमें जीत हासिल की। इसके बाद खुद पर भरोसा हो गया कि मैं अब कर सकता हूं, पर इसके लिए ज्यादा समय नहीं था। कोचों ने मेरे ऊपर काम किया, भारतीय तैराकी महासंघ और फिना (अंतरराष्ट्रीय तैराकी महासंघ) ने काफी मदद की।'

इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए शामिल किये जा सकते हैं पृथ्वी

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को शामिल किया जा सकता है। इस कारण सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का फिट नहीं होना बताया गया है। इंग्लैंड सीरीज के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का नया सत्र शुरु होगा। वहीं चयन समिति ने इससे पहले अधिक वजन के नाम पर पृथ्वी को टीम में जगह नहीं दी थी। अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर पृथ्वी की जरुरत अचानक कैसे उठ गयी। यह भी अटकलें है कि इस मामले में प्रबंधन अंतिम फैसला कोच और कप्तान की राय के बाद ही करेगा। टीम के साथ अभी इंग्लैंड में सलामी बल्लेबा के तौर पर मयंक अग्रवाल और लोकेश राहल के अलावा स्टैंडबाय के तौर पर अभिमन्यु ईश्वरन हैं उपलब्ध हैं। सलामी बल्लेबाज के तौर पर मयंक ने 13 टेस्ट की 21 पारी में 48 पारी में 1005 रन बनाए हैं। वहीं राहुल ने 33 टेस्ट की 54 पारी में 37 की औसत से 1915 रन बनाए हैं। अभिमन्यु ने अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। पृथ्वी अभी श्रीलंका दौरे पर गयी भारतीय टीम के साथ हैं। अब देखना होगा कि क्या श्रीलंका से पृथ्वी को इंग्लैंड भेजा जाता है या वो वहीं भारतीय टीम के साथ तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलते हैं।

कोरोना के खतरे के कारण बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने की वार्षिक आम बैठक स्थगित

ढाका ।

बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अपनी सात जुलाई को होने वाली निर्धारित वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को कोरोना वायरस खतरे के कारण अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया है। बीसीबी के एक अधिकारी ने शनिवार की इसकी जानकारी दी है। दरअसल बंगलादेश सरकार ने कोरोना के बढ़ते प्रकोप के चलते एक जुलाई से सात दिनों के लिए देशव्यापी लॉकडाउन का फैसला किया है। बीसीबी ने इससे पहले 15 जून को अपनी 10वीं बोर्ड बैठक के दौरान सात जुलाई को अपनी अगली एजीएम आयोजित करने का फैसला किया था, लेकिन अब इसे टाल दिया गया है। बीसीबी के मीडिया समिति के अध्यक्ष जलाल यूनुस ने शनिवार को एक बयान में कहा कि एजीएम सात जुलाई को नहीं होगी और हम अभी यह नहीं कह सकते हैं कि यह कब होगी, क्योंकि हमें तब तक इंतजार करना होगा, जब तक कि कोरोना की स्थिति में सुधार नहीं हो जाता जो इस समय गंभीर है। जब चीजें बेहतर होंगी तो हम इस पर फिर से चर्चा कर सकते हैं और तारीख तय कर सकते हैं, लेकिन अगर स्थिति में सुधार ही नहीं होता है तो हम एजीएम की योजना कैसे बना सकते हैं। समझा जाता है कि एजीएम के स्थगित होने से अगला बोर्ड चुनाव भी मूल कार्यक्रम के अनुसार नहीं होगा, क्योंकि बोर्ड एजीएम के बाद चुनाव की तारीखों की घोषणा करने के लिए तैयार था। बीसीबी के अध्यक्ष नजमुल हसन का दूसरा कार्यकाल इस साल सितंबर में समाप्त होने वाला है और संविधान के अनुसार बोर्ड को अगले 45 दिनों के अंदर चुनाव की व्यवस्था करनी होगी। जलाल ने कहा कि अभी निर्धारित समय में होने वाले चुनाव के संबंध में टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी, लेकिन सब कुछ कोरोना की स्थिति पर निर्भर करता है, क्योंकि हमारे सामने एजीएम या नियत समय में चुनाव कराने के लिए कोरोना अलावा कोई अन्य बाधा नहीं है, इसलिए हम सभी बेहतर स्थिति की उम्मीद कर रहे हैं। हमने एजीएम के लिए सभी चीजों को अंतिम रूप दे दिया था। हमने अपनी रिपोर्ट और नोटिस पार्षदों को भेज दिया था, लेकिन एजीएम में भाग लेने वाले अधिकांश पार्षद ढाका के बाहर से आ रहे हैं, इसलिए एजीएम आयोजित करना मुश्किल हो गया है। हम अपना समय बर्बाद नहीं करेंगे, जब स्थिति बेहतर हो जाएगी और एक बैठक की व्यवस्था करना संभव होगा तब हम अपने पार्षदों को आपातकालीन आधार पर भी सूचित कर सकते हैं।

हैरी केन के कमाल से इंग्लैंड यूरो 2020 के सेमीफाइनल में पहुंचा

रोम । हैरी केन के दो गोल की मदद से इंग्लैंड ने यूक्रेन को 4-0 से हराकर यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप-यूरो 2020 के सेमीफाइनल में जगह बनाई। यूरो 2020 में यह एकमात्र मैच था जिसे इंग्लैंड ने वेम्बले स्टेडियम से बाहर खेला था और इसी में उसने सबसे दबदबे वाला प्रदर्शन किया। शनिवार को खेले गए मैच में केन ने चौथे और 50वें मिनट में गोल दागे। उनके अलावा हैरी मैगुआयर (46वें मिनट) और जोर्डन हेंडरसन (63वें मिनट) ने भी गोल किए। यह इंग्लैंड का टूर्नामेंट में लगातार पांचवां मैच है जिसमें उसने अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम को गोल नहीं करने दिया। यह 1966 के विश्व कप फाइनल के बाद पहला अवसर है जबकि इंग्लैंड ने किसी बड़े टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में चार गोल किये। उसने 1966 में पश्चिम जर्मनी को 4-2 से हराया था। इंग्लैंड की टीम अब वापस लंदन लौटेगी जहां बुधवार को उसका सामना डेनमार्क से होगा जिसने बाकू में खेले गये मैच में चेक गणराज्य को 2-1 से हराया। केन ने कहा, 'हमें वेम्बले में सेमीफाइनल खेलने को मिलेगा। एक टीम, एक देश के रूप में हमारे लिये क्या शानदार मौका है। यह हमारे लिये शानदार अवसर है और हमें इसका पूरा फायदा उठाना होगा।' इंग्लैंड इससे पहले आखिरी बार यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में 1996 में पहुंचा था लेकिन अब उसके सामने सबसे बड़ा लक्ष्य 1996 की विश्व कप जीत को दोहराना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

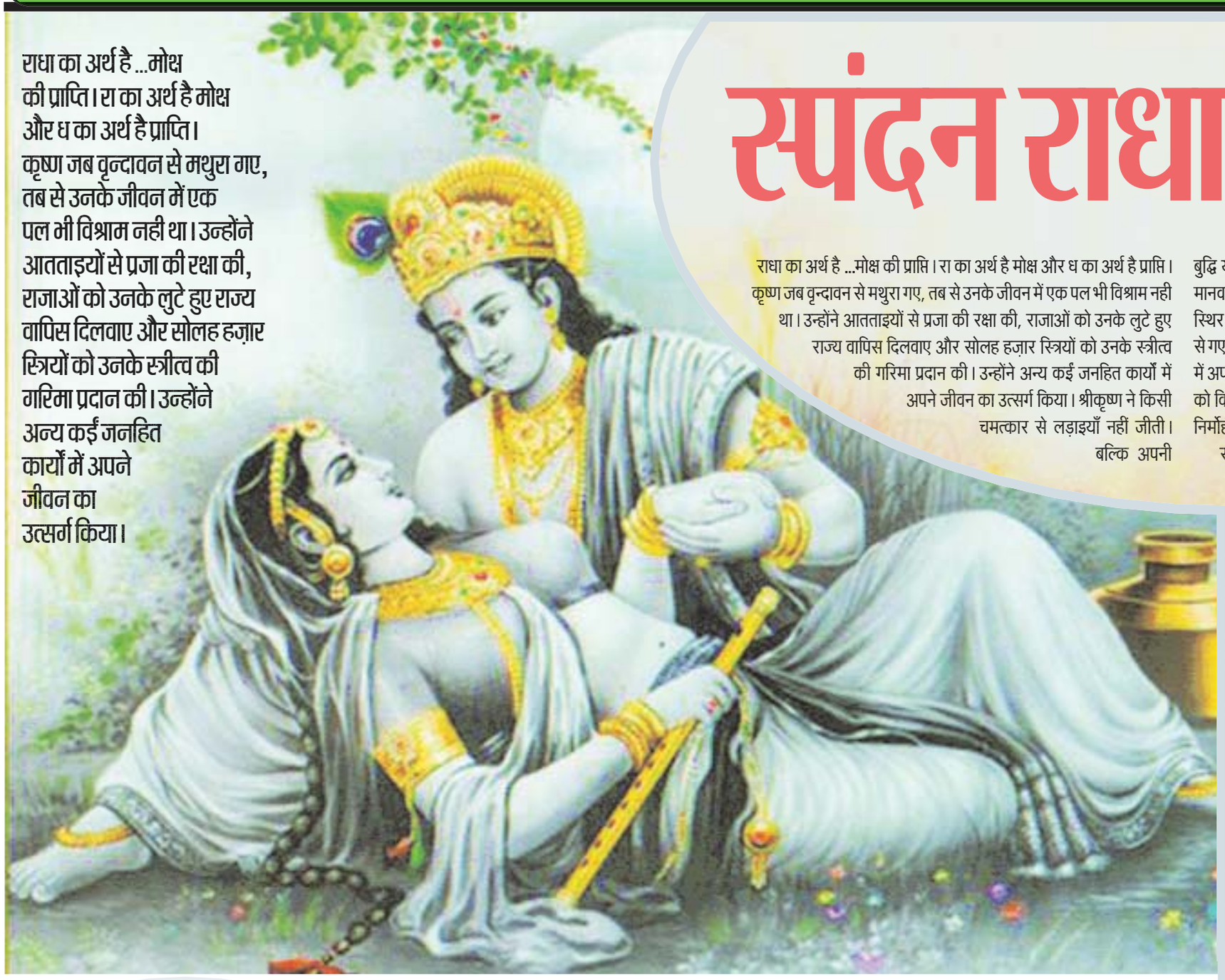

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कई जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर , मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे , कभी भी स्थिर नही रहे ।जहाँ उनकी पुकार हुई,वे सहायता जुटाते रहे।उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी।राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी।मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर ,कितने ही महान कवियों- लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी।दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी।राधा जो वनों में भटकती ,कृष्ण कृष्ण पुकारती,अपने प्रेम को अमर बनाती,उसकी पुकार सुन कर भी ,कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा।...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर हृदय कहलाए।राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें , वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी ... किन्तु कृष्ण के हृदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना।स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने हृदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास -क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई।तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया।उद्धव की आँखों से आँसू लगतार बहने लगे।सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद ,जब उद्धव ,राधा के पास पहुँचे ,तो वे केवल इतना कह सके -

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के हृदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म-पुराण के 56-6-7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है-

अश्वत्थामा बलिव्यासो ह्नुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन ।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है। एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही मुक्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि- हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा-अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है। हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ- गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती। इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है। देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं- पृथ्वी पर लाखों जन्म-जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है। जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा। विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि-मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन-पूजा में बाधा डाला करते थे। जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ। इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को- जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी- पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे। उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कुछ आसान और
अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं। ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं। जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन-समृद्धि की वृद्धि के लिये - जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं ।
- मुकद्दमा जीतने के लिये - पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना ।
- पुत्र प्राप्ति के लिये - प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान ।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है। ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10-10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1-1 पुत्री का जन्म हुआ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच ?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या क हते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है। जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद। आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा। पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई। संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण- एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा-हमेशा के लिये गोकुल-वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप-गोपिकाओं के साथ गौकुल-वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

अफगानिस्तान में संघर्ष जारी, झड़पों में 3 नागरिक और तालिबान के 24 आतंकवादी मारे गए

काबुल। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पुष्टि की है कि युद्धग्रस्त देश में दो अफगान प्रांतों में तीन नागरिक और 24 तालिबान आतंकवादी मारे गए। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अफगानिस्तान के राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा बलों (एएनडीएसएफ) ने शनिवार रात अलीशिंग जिले में उनके ठिकानों को निशाना बनाया, जिसके बाद लगमन प्रांत में नौ आतंकवादी मारे गए और 17 घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार दोपहर, लगमन की राजधानी मेहतरलाम के पास एक इलाके ओमरजई में भीषण झड़पों के दौरान तीन नागरिकों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। मंत्रालय ने कहा कि पड़ोसी नंगरहार प्रांत में, अफगान वायु सेना द्वारा शनिवार को उपनगरीय हिसारक जिले में तालिबान के ठिकाने को निशाना बनाने के बाद, 15 तालिबान आतंकवादी मारे गए और आठ घायल हो गए। सुरक्षा बलों ने नंगरहार में चार बारूदी सुरंगों का भी पता लगाया और उन्हें निष्क्रिय कर दिया। देश में हिंसा बढ़ने के बीच अमेरिका और नाटो सैनिक अफगानिस्तान छोड़ रहे हैं।

फिलीपीन में सी-130 विमान दुर्घटनाग्रस्त, 17 की मौत, 40 जवानों को किया गया रेस्क्यू

मनीला। फिलीपीन वायुसेना का सी-130 विमान रनवे पर नहीं उतर पाने के कारण दक्षिणी प्रांत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इन विमान में सैन्यकर्मी सवार थे। बताया जा रहा है कि 17 की मौत हो गई है जबकि 40 लोगों को बचा लिया गया है। चीफ ऑफ स्टाफ जनरल सिरिलिटो सोबेजाना ने यह जानकारी दी, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि विमान में कितने लोग सवार थे और क्या इस हादसे में किसी की जान गई है। विमान सुलु प्रांत में पर्वतीय कस्बे पाटीकुल के एक गांव में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। सोबेजाना ने बताया कि विमान दक्षिणी कागायन डी ओरो शहर से सैन्य बलों को ले जा रहा था। सरकारी बल सुलु के मुस्लिम बहुल प्रांत में अबु सय्याफ आतंकवादियों के खिलाफ दशकों से लड़ रहे हैं। सोबेजाना ने संवाददाताओं से कहा, ''यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। विमान रनवे पर नहीं उतर पाया। विमान चालक ने उसे फिर से नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाया और विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।'' उन्होंने बताया कि विमान में सवार कम से कम 40 लोगों को अस्पताल ले जाया गया और सैन्य बल शेष लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

चक्रवाती तूफान 'एल्सा' हैती और डोमिनिका गणराज्य में मचाई तबाही, 3 लोगों की हुई मौत

पोर्ट ऑ प्रिंस। चक्रवाती तूफान 'एल्सा' ने हैती और डोमिनिका गणराज्य के दक्षिणी तटों पर शनिवार को तबाही मचायी। कैरेबियाई क्षेत्र में तूफान से कई पेड़ उखड़ गये और मकानों की छतें उड़ गयीं। इस प्राकृतिक आपदा में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। मियामी में नेशनल हरिकेन सेंटर (एनएचसी) के अनुसार तूफान का केंद्रजमैका में किंग्स्टन के पूर्व में करीब 140 मील दूर था और यह उत्तर पश्चिम की ओर 37 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा था। हालांकि शनिवार तड़के हिस्पेनिओला और क्यूबा पहुंचने से पहले यह कमजोर हो गया। पूर्वानुमान के अनुसार तूफान क्यूबा के बाद फ्लोरिडा की ओर बढ़ेगा, फिर खाड़ी या अटलांटिक तट की ओर बढ़ जाएगा। इसबीच गवर्नर रोन देसैंतीस ने फ्लोरिडा कह 15 काउंटी में आपात स्थिति की घोषणा की है। इसमें मियामी डेड काउंटी भी शामिल है जहां पिछले सप्ताह एक बहुमंजिला इमारत के ढहने की घटना हुई थी।

आग लगाने वाले गुब्बारों के लॉन्च के बाद इजरायल ने गाजा पर हमला किया

गाजा। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, दक्षिणी इजरायल में आग लगाने वाले गुब्बारों फेंकने के जवाब में इजरायली लड़ाकू विमानों ने गाजा पट्टी पर हवाई हमले किए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने कहा कि शनिवार देर रात, इजरायली युद्धक विमानों ने गाजा शहर के दक्षिण में एक सैन्य प्रशिक्षण चौकी पर दो मिसाइलें दागीं, जो इस्लामिक हमास आंदोलन की सशस्त्र शाखा अल-कसम ब्रिगेड से संबंधित है। सूत्रों ने कहा कि कई मिसाइलों ने उत्तरी और पश्चिमी गाजा में हमास की विभिन्न सैन्य चौकियों को भी निशाना बनाया। इससे पहले शनिवार को फिलिस्तीनी कार्यकर्ताओं ने दक्षिणी इजराइल में गाजा पट्टी से कई आग लगाने वाले गुब्बारे दागे, जिससे आग लग गई और नुकसान हुआ। हालांकि, इस हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली थी। 21 मई को इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष समाप्त होने के बाद से, इजरायली लड़ाकू विमानों ने आग लगाने वाले गुब्बारों के जवाब में हमास की सैन्य सुविधाओं और चौकियों पर कई हवाई हमले किए।

आईएस आतंकवादियों ने 4 इराकी मछुआरों की हत्या की

बगदाद। इराक के पश्चिमी प्रांत अनबर में एक झील पर इस्लामिक स्टेट (आईएस) आतंकवादी समूह द्वारा किए गए हमले में चार मछुआरों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। शहर के मेयर मबरौक अल-जुधैफी ने समाचार एजेंसी को बताया कि यह हमला शनिवार को हुआ जब आईएस के आतंकवादियों ने राजधानी बगदाद से करीब 200 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में हदीथा शहर के पास हदीथा बांध की झील पर मछुआरों पर गोलियां चला दी। पिछले महीनों के दौरान, आईएस आतंकवादियों ने सुन्नी प्रांत में इराकी सुरक्षा बलों पर अपने हमले तेज कर दिए हैं, जिन पर पहले आतंकवादियों का नियंत्रण था, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए और घायल हो गए थे। इराक में सुरक्षा स्थिति में सुधार हो रहा है, वहां सुरक्षा बलों ने 2017 के अंत में देश भर में आईएस आतंकवादियों को खदेड़ दिया था।

दोस्त से ज्यादा दुश्मन बनाने की कीमत चुका रहा चीन, पाक के अलावा कोई देश नहीं खरीदना चाहता ड्रैगन के हथियार

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

चीन की सुपर पावर बनने की महत्वकांक्षा हमेशा रही है। चीन के आक्रामक रवैये पर हमेशा से पश्चिमी देशों की नजर रही है, खासतौर पर कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद। इसके बाद से ही कई देशों ने चीन से हथियार और अन्य सैन्य सामग्रियों का आयात कम करना शुरू कर दिया है। स्थिति यह है कि अब बड़े देश तो क्या पाकिस्तान को छोड़ बाकी छोटे-छोटे देश भी चीन के हथियार और लड़ाकू विमान खरीदने से कतराते हैं। 'फॉरेन पॉलिसी' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीते महीने फिलिपींस में चीन की कार्रवाई के बाद से अब बहुत कम ही ऐसे देश बच गए हैं, जो चीन से भागीदारी करने की रुचि रखते हैं। बीते महीने चीनी नौसेना के जहाज बिना मंजूरी के लिए फिलिपींस के जल क्षेत्र में घुस गए थे।

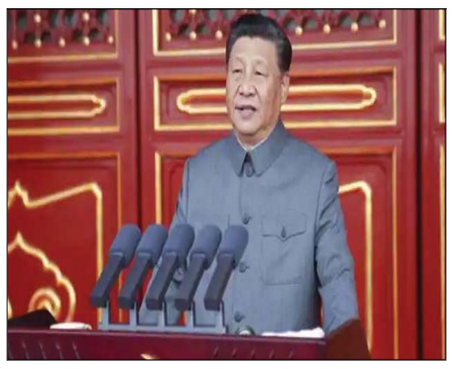

भारत क्या ये देश भी नहीं खरीद रहे चीनी हथियार: पत्रिका ने अपने लेख में कहा है कि चीन भारत के साथ लद्दाख में भी सीमा विवाद में उलझा हुआ है, जिसकी वजह से दोनों देशों के द्विपक्षीय रिश्ते बिगड़े हैं। हालांकि, भारत दूसरे देशों से हथियार आयात करता है लेकिन वह चीन से सैन्य उपकरण नहीं खरीदता। कुछ ऐसा ही वियतनाम के साथ भी है। वियतनाम और चीन के बीच भी समुद्री क्षेत्र में विवाद बढ़ता जा रहा है। पत्रिका के मुताबिक, चीन अपने लड़ाकू विमान बेचना चाहता है लेकिन मलेशिया और इंडोनेशिया तक उसके खरीदार बनने को राजी नहीं हैं। इसी साल स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि 'आत्मनिर्भर भारत' स्कीम के तहत भारत लगातार खुद पर निर्भरता बढ़ा रहा है।

भारत में हथियारों का आयात कम हुआ, चीन के निर्यात में आई गिरावट: साल 2011-2015 और 2016-20 के बीच भारत के हथियारों के आयात में 33 फीसदी की गिरावट आई है। इसी दौरान चीन का निर्यात भी 7.8 फीसदी गिरा है। फॉरेन पॉलिसी के लेख में कहा गया है कि अगर आपके दोस्त नहीं हैं तो ये अत्याधुनिक हथियार और विमान मायने नहीं रखते और इसीलिए दुनिया के देश बीजिंग के फाइटर जेट खरीदने से बच रहे हैं।

तकनीक सुधार रहा चीन, फिर भी अमेरिका नंबर 1 निर्यातक: चीन ने लगातार अपने लड़ाकू विमानों को सुधारा है। उसने जे-10, जे-10सी और एफसी-31 जैसे लड़ाकू विमान बनाए हैं। सिपरी की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2000 से 2020 के बीच चीन ने 7.2 अरब डॉलर के सैन्य विमान निर्यात किए हैं। वहीं, अमेरिका ने सबसे ज्यादा 99.6 अरब डॉलर के विमान निर्यात किए हैं और इसके बाद दूसरे नंबर पर रूस ने 61.5 अरब डॉलर के विमान दूसरे देशों को दिए हैं। यहां तक कि फ्रांस ने भी चीन से दोगुना कीमत यानी 14.7 अरब डॉलर के विमान निर्यात किए हैं।

चीन की विदेश नीति ही उसकी असफलता की बड़ी वजह: हथियारों के लिए चीन पर सिर्फ पाकिस्तान ही निर्भर है। इस्लामाबाद ने बीते पांच सालों में जितने हथियार आयात किए हैं, उनमें से 74 फीसदी हिस्सेदारी चीन की है। पत्रिका के मुताबिक, चीन की इस असफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण उसकी विदेश नीति है। लड़ाकू विमान बेचने के लिए किसी भी देश को अपनी व्यापार नीति को लचीला बनाने की जरूरत पड़ती है, तकनीक हस्तांतरिक करनी होती है। यह सब हथियार की डील का हिस्सा होता है लेकिन चीन ऐसा नहीं होने देता। चीन दुनियाभर में सबसे बड़ा निर्यातक बनना चाहता है लेकिन वह अपना आयात नहीं बढ़ाना चाहता।

मिस्र ने सबसे बड़े नौसैनिक अड्डे का उद्घाटन किया

काहिरा (एजेंसी)।

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने गारगौब के उत्तर-पश्चिमी तट पर देश के सबसे बड़े नौसैनिक अड्डे का उद्घाटन किया। एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 3 जुलाई नेवल बेस भूमध्य सागर के साथ 10 मिलियन वर्ग मीटर के क्षेत्र को कवर करता है। बयान में कहा गया है कि यह मिस्र के नौसैनिक बेस सिस्टम में एक नया अतिरिक्त है, जो नौसेना बलों के लिए व्यापक विकास योजना का एक हिस्सा है। शनिवार को उद्घाटन समारोह में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, लीबिया प्रेसीडेंसी काउंसिल के अध्यक्ष मोहम्मद मेनफी और मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मदबौली ने भाग लिया। क्राउन प्रिंस ने कहा कि नया मिस्र का आधार सीसी के नेतृत्व में एक उपलब्धि है जो देश में महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रगति को दर्शाता है। बयान में कहा गया है कि नौसेना की सतह इकाइयां, पनडुब्बियां और विमान उत्तरी और पश्चिमी रणनीतिक दिशाओं के साथ मिस्र के लिए सुरक्षा प्रदान करेंगे, अपनी आर्थिक संपत्ति को सुरक्षित रखेंगे, शिपिंग लाइनों को सुरक्षित रखेंगे और समुद्री सुरक्षा बनाए रखेंगे। यह आधार लाल और भूमध्य सागर में मिस्र के नौसैनिक बलों को क्षेत्र में मौजूद किसी भी चुनौती और जोखिम का सामना करने और तस्करी और अवैध आव्रजन से निपटने के लिए सैन्य सहायता प्रदान करेगा।

रूहानी ने 1988 में ईरानी विमान को गिराने के लिए अमेरिका से माफी की मांग की

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने तीन दशकों से ज्यादा समय के बाद 1988 में एक ईरानी यात्री विमान को गिराने के लिए अमेरिकी सरकार से माफी की मांग की है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 3 जुलाई, 1988 को, खाड़ी में तैनात एक अमेरिकी युद्धपोत से दागी गई सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल ईरान एयर फ्लाइट 655, एक एयरबस ए 300 से टकरा गई, जिस पर सवार सभी 290 लोग मारे गए। शनिवार को एक बैठक को संबोधित करते हुए रूहानी ने कहा- अमेरिकी सरकार को यह जानना होगा कि उसने 1988 में खाड़ी में एक बहुत बड़ा अपराध किया था। रूहानी ने कहा कि अमेरिका माफी, मुआवजा और इस महान अपराध के हत्यारों और अपराधियों को पुरस्कार क्यों दिए गए, इसके बारे में स्पष्टीकरण अभी भी अपेक्षित है। तेहरान से दुबई के लिए उड़ान के डाउन होने के बाद, वाशिंगटन ने दावा किया था कि एफ -14 टॉमकैट जेट फाइटर के लिए एयरलाइनर को गलती करने के बाद उसकी सेना आत्मरक्षा में काम कर रही थी। अमेरिकी जहाज के चालक दल को उनके मिशन के अंत में पुरस्कार भी मिला। इस समझौते के हिस्से के रूप में, भले ही अमेरिकी सरकार ने कानूनी दायित्व स्वीकार नहीं किया या औपचारिक रूप से ईरान से माफी नहीं मांगी, लेकिन वह ईरानी पीड़ितों के परिवारों को मुआवजे के रूप में 61.8 मिलियन डॉलर का भुगतान करने पर सहमत हुई। इसे एयरबस ए 300 से जुड़ी सबसे घातक विमानन आपदा माना गया था।

साउथ अफ्रीकी अदालत पूर्व राष्ट्रपति जुमा के आवेदन पर सुनवाई के लिए तैयार

जोहान्सबर्ग। (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका की संवैधानिक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा के तत्काल आवेदन को स्वीकार कर उन्हें फिलहाल जेल जाने से रोक दिया है । अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई 12 जुलाई को निर्धारित की है। संवैधानिक न्यायालय के कार्यवाहक रजिस्ट्रार दुनिसानी मथिबा ने शनिवार को कहा, सुनवाई एक वर्चुअल मंच पर होगी। निर्देश उचित समय पर जारी किए जाएंगे। 29 जून को संवैधानिक अदालत ने जुमा को अदालत की अवमानना के आरोप में 15 महीने जेल की सजा सुनाई थी। उन्हें अपनी सजा काटने के लिए जेल ले जाने के लिए पुलिस थानों में रिपोर्ट करने के लिए पांच दिन का समय दिया गया था। उन्होंने अपने आदेश को रद्द करने के लिए संवैधानिक न्यायालय में एक तत्काल आवेदन किया। जुमा द्वारा अदालत के उस आदेश का पालन करने से इनकार करने के बाद यह सजा सुनाई गई, जिसने उसे राज्य आयोग में पेश होने और गवाही देने का आदेश दिया था। देश की स्टेट कैप्चर इंक्वायरी ने जुमा पर 1999 में अरबों के हथियारों की खरीद के संबंध में अन्य पक्षों से रिश्वत, संतुष्टि और अनधिकृत भुगतान स्वीकार करने का आरोप लगाया। जुमा का सत्ता में समय, सन 2018 में समाप्त हुआ,जो भ्रष्टाचार के आरोपों से प्रभावित था। राजनेताओं के साथ-साथ व्यवसायियों पर निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करने की साजिश का आरोप लगाया गया था। पूर्व राष्ट्रपति ने राज्य पर कब्जा के रूप में जानी जाने वाली जांच में एक उपस्थिति दर्ज की, लेकिन बाद में पेश होने से इनकार कर दिया। एक अलग कानूनी मामले में, उन्होंने पिछले महीने अपने भ्रष्टाचार के मुकदमे में दोषी नहीं होने का अनुरोध किया, जिसमें 1990 के दशक से 5 बिलियन डॉलर का हथियार सौदा शामिल था।

ब्रिटेन में बच्चों ने स्कूल न जाने के लिए की शरारत, ऑरेंज जूस से तैयार कर रहे फर्जी कोरोना रिपोर्ट

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

बच्चों को अक्सर स्कूल ना जाने के लिए नए-नए बहाने बनाते तो हम सबने देखा है लेकिन अब दौर बदल गया है ऐसे में वो बहाने भी नई तरह के बनाते हैं। दरअसल कोरोना के इस दौर में बच्चों ने स्कूल जाने से बचने के लिए नया बहाना ढूंढ निकाला है और यह मामला ब्रिटेन में सामने आया है। ब्रिटेन के स्कूली बच्चे स्कूल ना जाने के लिए ऑरेंज जूस से फर्जी कोरोना रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। बच्चे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि कोरोना होने पर उन्हें स्कूल से 15 दिन की छुट्टी मिल जाती है और उन्हें स्कूल नहीं जाना पड़ता लेकिन अब उनकी पोल खुल गई है।

लैब की जांच में हुआ खुलासा

बच्चों के स्कूल शिक्षकों ने पाया है कि वे एंटीजन टेस्ट में स्वैब की जगह ऑरेंज जूस का इस्तेमाल कर झूठी रिपोर्ट बना रहे हैं। एक ब्रिटिश अखबार ने खुद इस बात की जांच अपने लैब में की तो पूरे मामले का सच सामने आ गया। अखबार की लैब में पता चला कि ऑरेंज जूस में वायरस नहीं है बल्कि जूस में मौजूद एसिडिटि पदार्थ की वजह से ऐसा हुआ। वहीं जांच में यह भी खुलासा हुआ कि केवल ऑरेंज जूस से नहीं बल्कि दूसरे ड्रिंक्स, केचअप और कोका कोला से भी टेस्ट की रिपोर्ट पॉजिटिव आ रही है। ब्रिटेन के एक साइंस टीचर ने भी बच्चों के झूठी रिपोर्ट दिखाकर छुट्टी लेने की बात की पुष्टि की।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही ट्रिक

वहीं यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन के एक प्रोफेसर ने कहा कि यह कोई हैरान करने वाला मामला नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर कोई जानबूझकर प्रोटोकॉल तोड़ता है तो निश्चित रुप से इसका परिणाम गलत ही आएगा लेकिन यहां यह सही मायने में फॉल्स पॉजिटिव नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रोटोकॉल का सही तरीके से पालन नहीं किया गया। आपको बता दें कि इन दिनों टिकटॉक और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्रिटेन में ऐसी ट्रिक वायरल हो रही है। एक और यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर ने कहा कि बफर सॉल्यूशन के साथ धोकर नकली पॉजिटिव रिपोर्ट तैयार करना मुमकिन है लेकिन पीएच वैल्यू एक बार दिखाने के बाद थोड़ी ही देर में टेस्ट किट से लाइन गायब हो जाती है।

राष्ट्रपति बोलसोनारो को लगा बड़ा झटका, ब्राजील की अदालत ने दी जांच की अनुमति

रियो डी जेनेरियो। (एजेंसी)।

ब्राजील में कोविड-19 टीके संबंधी एक सौदे में भ्रष्टाचार के आरोपों पर कथित रूप से कार्रवाई नहीं करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश ने राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो के खिलाफ आधिकारिक जांच की मंजूरी दी है, जिसके एक दिन बाद शनिवार को देशभर में बोलसोनारो के खिलाफ प्रदर्शन हुए। देश के 40 से अधिक शहरों में सैकड़ों-हजारों प्रदर्शनकारियों ने बोलसोनारो के खिलाफ महाभियोग चलाने या कोविड-19 टीकों तक पहुंच मुहैया कराए जाने की मांग की।

पारा की राजधानी बेलेम में एक प्रदर्शनकारी ने पोस्टर थाम रखा था, जिस पर लिखा था, ''यदि हम कोविड-19 के कारण हर मौत के लिए एक मिनट का मौन रखें, तो हम जून 2022 तक मौन ही रहेंगे।'' आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार ब्राजील में संक्रमण से पांच लाख लोगों की मौत हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश रोसा वेबर ने शुक्रवार को कहा कि कोविड-19 से निपटने के सरकार के तरीके की जांच कर रही सीनेट की एक समिति के समक्ष हाल में जो गवाही दी गई है, उसी के आधार पर जांच शुरू करने की अनुमति दी जाती है। अभियोजक इस बात की जांच करेंगे कि क्या बोलसोनारो ने एक सरकारी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई में व्यक्तिगत हितों के कारण देरी की है या ऐसा करने से परहेज किया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आयात विभाग के प्रमुख लुइस रिकार्डो मिरांडा ने कहा कि उन पर भारतीय दवा कंपनी भारत बायोटेक से दो करोड़ टीकों के आयात को मंजूरी देने के लिए हस्ताक्षर करने का अनुचित दबाव बनाया गया। उन्होंने कहा कि बिल में सिंगापुर स्थित एक कंपनी को चार करोड़ 50 लाख डॉलर का अग्रिम भुगतान करने समेत कई अनियमितताएं थीं। मिरांडा ने सांसद एवं अपने भाई लुइस मिरांडा के साथ 25 जून को सीनेट समिति के सामने गवाही दी थी। इससे पहले लुइस बोलसोनारो से समर्थक थे। मिरांडा भाइयों ने कहा कि उन्होंने बोलसोनारो को अपनी चिंताओं से अवगत कराया था और उन्होंने आश्वासन दिया था कि वह संघीय पुलिस से अनियमितताओं की शिकायत करेंगे, लेकिन संघीय पुलिस के एक सूत्र ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि ऐसा नहीं किया गया।

मर्केल ने ब्रिटेन के पर्यटकों के लिए यात्रा नियमों में ढील के दिये संकेत

लंदन। (एजेंसी)।

जर्मन चांसलर के रूप में एंजेला मर्केल ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के साथ देश की अंतिम यात्रा के दौरान मुलाकात के बाद टीका ले चुके ब्रिटेन के लोगों के लिए क्वारंटीन नियमों में ढील देने का संकेत दिया है।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मर्केल ने जॉनसन के चेकर्स देश के निवास पर एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जर्मनी अपने यात्रा प्रतिबंधों की लगातार समीक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा, हम मानते हैं कि निकट भविष्य में जिन लोगों को दोनों डोज लिया है, वे क्वारंटीन में रहे बिना फिर से यात्रा करने में सक्षम होंगे। ब्रिटेन में डेल्टा वैरिएंट का तेजी से प्रसार होने के कारण ब्रिटेन से जर्मनी जाने वाले यात्रियों को फिलहाल 14 दिनों के लिए क्वारंटीन करना जरूरी है। हालांकि, मर्केल ने यूरो 2020 टूर्नामेंट के अंतिम चरण के लिए लंदन के वेम्बली स्टेडियम में अपेक्षित फुटबॉल प्रशंसकों की संख्या पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। ब्रिटिश सरकार ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि यूरो 2020 के सेमीफाइनल और फाइनल के लिए वेम्बली में भीड़ की क्षमता 60,000 से अधिक हो जाएगी। यानी स्टेडियम 75 फीसदी क्षमता पर होगा। मर्केल ने कहा, मैं बहुत चिंतित हूं कि क्या यह थोड़ा अधिक नहीं है। जवाब में, जॉनसन ने कहा कि यूके ने अपने टीकाकरण कार्यक्रम के साथ कोविड -19 के खिलाफ प्रतिरक्षा की काफी दीवार बनाई थी और खेल आयोजनों को बहुत सावधानी और नियंत्रित तरीके से खोला जा रहा था। मर्केल, जो जर्मन चांसलर के रूप में लगभग 16 वर्षों के बाद सितंबर के चुनाव के बाद पद छोड़ने वाली हैं, उनका विंडसर कैसल में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने स्वागत किया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

"आप ही हैं जिन्होंने हमारे घर और कार्यालय पर हमला किया।"

सूरत में आप द्वारा भाजपा को गुंडा कहने पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वास्थ्य मंत्री कनानी ने कहा,

क्रांति समय दैनिक

सूरत में आप को बीजेपी का गुंडा कहने पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वास्थ्य मंत्री कनानी ने कहा, "आप ही हैं जिन्होंने हमारे घर और कार्यालय पर हमला किया।" कुछ युवकों द्वारा आप के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया के घर विरोध प्रदर्शन करने के बाद आपके नेताओं ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, "भाजपा नेता हम पर हमला कर रहे हैं, हमारे घर जा रहे हैं और हमारी मां-बहनों के साथ अभद्र व्यवहार कर विरोध कर रहे हैं।" आप नेता इसुदान ने भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को छुपा हुआ ठग करार दिया है। सूरत की वराछा विधानसभा सीट से विधायक और स्वास्थ्य राज्य मंत्री कुमार कनानी ने इसे लेकर आपके नेताओं पर पलटवार

किया है. सोशल मीडिया के माध्यम से, वह आप नेताओं के साथ भिड़ गया और उन्हें गोपाल इटालिया सहित अपने घर और कार्यालय पर पिछले हमलों की याद दिला दी।

कनानी सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचे कि मेरे घर पर हमला होने पर गोपाल कन्या इटालिया और उनकी टीम ने किस तरह का नरसंहार किया है। पाटीदार आरक्षण आंदोलन के समय समर्थकों की भीड़ हमारे घर में घुसने की कोशिश कर रही थी और मेरी पत्नी और बहू के खिलाफ अभद्र भाषा बोल रही थी. आपने हमारी सामाजिक गतिविधियों को हमारे कार्यक्रम के आड़े नहीं आने दिया। आप समाज के नाम पर तूफान खड़ा कर रहे थे। गाड़ियाँ जल रही थीं। कनानी ने कहा, "आप देर रात हमारे कार्यालय पर हमला कर रहे थे।"

स्थानीय पार्षदों और लोगों ने पुलिस के साथ मिलकर देसी शराब की बिक्री का पर्दाफाश किया.

क्रांति समय दैनिक

सूरत शहर के विभिन्न थानों क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर शराब बेचे जाने की कई शिकायतें मिली हैं। फिर कोई कार्यवाही नही होने से गुस्सा हुए भीड़ ने जनता के साथ मिलकर छापा मारा जिसमें सूरत के वार्ड नंबर चार के आनंद नगर में शराब बेची जा रही है.

इसी को ध्यान में रखते हुए आम आदमी पार्टी के पार्षद धर्मेश वावलिया व स्थानीय

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

लोगों ने शराब के ठेके पर छापा मारा तो भारी मात्रा में देसी शराब बरामद हुई.

क्षेत्र की महिलाओं के पास में अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि स्थानीय नेताओं ने इस मामले की जानकारी स्थानीय नेताओं से स्थानीय स्तर पर बेची जा रही शराब को रोकने के लिए दी है। लेकिन बीजेपी विधायकों और पार्षदों की मिलीभगत से शराब की बिक्री नहीं रुकी. भाजपा शासन में शहर के लगभग सभी थानों में शराब की खुलेआम बिक्री हो रही है. भाजपा नेताओं के पास इस बात की पूरी जानकारी है कि कौन किस इलाके में कितनी शराब बेच रहा है और फिर भी वे आंख मूंदकर इसे खुलेआम बेचते नजर आते हैं, जिससे कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं.

भाजपा की कारोबारी बैठक में राज्यमंत्री की अश्लील ऑडियो क्लीप बजने से मची खलबली

क्रांति समय दैनिक

कच्छ,कच्छ के अंजार में भाजपा की कारोबारी बैठक का आयोजन किया गया था। कच्छ जिला भाजपा प्रमुख बैठक को संबोधित कर रहे थे, उस वक्त अचानक राज्य मंत्री वासण आहिर की अश्लील ऑडियो क्लीप बजने से बैठक में सन्नाटा पसर गया। अंजार में हो रही वर्च्युअली बैठक की शुरुआत में कच्छ जिला भाजपा प्रमुख संबोधित कर रहे थे। उस वक्त वासण आहिर की अचानक अश्लील ऑडियो क्लीप प्ले हो गई। बैठक में महिला पदाधिकारी भी मौजूद थीं और ऐसे में वासण आहिर की अश्लील ऑडियो बजने से सभी लोगों के सिर शर्म से झुक गए। कच्छ जिला भाजपा प्रमुख कुछ देर के लिए अपनी स्पीच रोक दी। यह वर्च्युअल बैठक अंजार के रघुनाथजी मंदिर में हुई थी। जिला भाजपा प्रमुख समेत जिले की सभी तहसील भाजपा के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए थे। बता दें कि वासण आहिर की एक महिला के साथ अश्लील बातें करते ओडियो क्लीप कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। ऑडियो क्लीप वायरल होने के बाद सार्वजनिक समारोहों से उन्हें दूर रखा जाने लगा था। उस वक्त कैबिनेट मंत्री भी उनके साथ दिखने से परहेज करते थे। अब भाजपा की वर्च्युअली बैठक में ऑडियो क्लीप को लेकर वासण आहिर फिर एक बार चर्चा में आ गए हैं।

सार-समाचार

गुजरात के विख्यात लोकगायक ने चिकित्सकों के लिए बनाई 'डॉक्टर चालीसा'

अहमदाबाद,गुजरात के विख्यात लोकगायक ओसमन मीर ने पिछले डेढ़ साल से कोरोना महामारी के दौरान संक्रमित मरीजों के उपचार में दिन-रात एक करने वाले चिकित्सकों के लिए 'डॉक्टर चालीसा' बनाया है। 'जय हनुमान ज्ञान गुण सागर' सुनते ही हनुमान चालीसा याद आती है और रामायण में लक्ष्मण जी के मूर्छित होने पर हनुमान जी संजीवनी लाने की घटना से सभी अवगत हैं। ऐसे में कोरोना के कठिन दौर में दिन रात एक करने वाले चिकित्सकों को संकटमोचक बताते हुए ओसमान मीर ने देश के सभी चिकित्सकों के प्रति सूर और शब्दों का समन्वय कर धन्यवाद व्यक्तकरते हुए डॉक्टर चालीसा तैयार की है। ढाई मिनट के इस डॉक्टर चालीसा में चिकित्सकों की सेवा को वंदन किया गया है। चिकित्सकों को लेकर बनाए गए वीडियो आल्बम के बारे में लोकगायक ओसमान मीर कहना है कि चालीसा शब्द सुनते ही हनुमान चालीसा और लक्ष्मण जी के मूर्छित होने की घटना याद आती है। डॉक्टरों ने भी हनुमान जी की कृपा से कोरोना महामारी में मरीजों का उपचार किया है। इसीलिए 40 पंक्तियों की डॉक्टर चालीसा का यह वीडियो आल्बम देशभर के चिकित्सकों को अर्पण करता हूं।

शराब के नशे में धुत्त जीप चालक ने एक्टिवा को उड़ाया,

7 साल के बच्चे की मौत, 2 घायल

वडोदरा,शहर के मांजलपुर क्षेत्र में शराब के नशे धुत्त एक जीप के चालक ने एक्टिवा सवार तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में 7 वर्षीय बच्चे की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि एक्टिवा सवार अन्य दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक वडोदरा में अपनी मौसी घर रहने वाले 7 वर्षीय कविश पटेल ट्यूशन क्लास से अपने भाई के साथ एक्टिवा पर घर लौट रहा था। उस वक्तमांजलपुर के निकट तेज रफ्तार जीप ने एक्टिवा को अपनी चपे में ले लिया। एक्टिवा की टक्कर कविश उछलकर सड़क पर जा गिरा। सिर में चोट लगने से कविश पटेल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक ने जीप रोड डिवाइडर पर चढ़ दी और उसके बाद मौके पर जीप छोड़कर फरार हो गया। बताया जाता है कि जीप चालक शराब के नशे में धुत्त था और तेज रफ्तार में जीप चला रहा था। मांजलपुर पुलिस ने जीप चालक के खिलाफ मामल दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

रथ यात्रा: श्रद्धालुओं के बिना पुरी में मनाया जाएगा भगवान जगन्नाथ का उत्सव, छत से भी देखने की मनाही

पुरी। ओडिशा सरकार ने कहा कि इस साल वार्षिक रथयात्रा उत्सव श्रद्धालुओं की भीड़ के बगैर ही होगा और उन्हें रथ के मार्ग में छतों से भी रस्म देखने की अनुमति नहीं होगी। पुरी के जिलाधिकारी समर्थ वर्मा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि प्रशासन ने अपने फैसले की समीक्षा की है और रथयात्रा का दृश्य घरों एवं होटलों की छतों से देखने पर भी पाबंदी लगा दी गयी है। उन्होंने कहा कि 12 जुलाई को होने वाले इस उत्सव से एक दिन पहले पुरी शहर में कर्फ्यू लगाया जाएगा जो अगले दिन दोपहर तक प्रभाव में रहेगा। वर्मा ने कहा कि भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ का यह उत्सव कोविड-19 महामारी के चलते लगातार दूसरे वर्ष बिना श्रद्धालुओं की भागीदारी के मनाया जा रहा है। उन्होंने शहर के लोगों से टेलीविजन पर इस उत्सव का सीधा प्रसारण देखने की अपील की।

महाराष्ट्र के रासायनिक संयंत्र में विस्फोट के बाद लगी आग, 5 लोग जख्मी

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक रसायन कंपनी के संयंत्र में विस्फोट के बाद आग लग जाने से पांच कर्मचारी झुलस गए। दमकल अधिकारी ने रविवार को बताया कि यहां बोइसर औद्योगिक इलाके में स्थित रासायनिक संयंत्र में शनिवार देर रात करीब साढ़े 11 बजे विस्फोट हुआ। इस बारे में सूचित किए जाने पर स्थानीय दमकल कर्मी घटनास्थल पहुंचे और उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य किया। बोइसर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा, ''विस्फोट के बाद लगी आग के कारण पांच कर्मी झुलस गए। उन्हें उपचार के लिए एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'' उन्होंने बताया कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि विस्फोट क्यों हुआ। मामले की जांच जारी है।

गुजरात के कच्छ में भूकंप के हल्के झटके, रिक्टर स्केल पर 3.7 रही तीव्रता

अहमदाबाद। गुजरात के कच्छ जिले में रविवार सुबह 3.7 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान जान-माल के किसी प्रकार का नुकसान होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। गांधीनगर स्थित भूकंपीय अनुसंधान संस्थान के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह सात बजकर 25 मिनट पर 3.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र दुधाई से 19 किलोमीटर उत्तर-उत्तरपूर्व में 11.8 किलोमीटर गहराई में था। गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि कच्छ जिला भूकंप के मामले में अत्यधिक जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। इस जिले में जनवरी 2001 में 6.9 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप आया था।

वाइको ने तमिलनाडु सरकार से केंद्र के साथ कर्नाटक बांध का मुद्दा उठाने को कहा

चेन्नई। एमडीएमके नेता और सांसद वाइको ने रविवार को तमिलनाडु सरकार से कर्नाटक सरकार द्वारा मरक डेय नदी पर बनाए जा रहे बांध पर तुरंत कार्रवाई करने और इस मुद्दे को केंद्र के सामने उठाने का आह्वान किया। वाइको ने कहा कि मरक डेय नदी में बांध का निर्माण, जो पेन्नैयार की एक सहायक नदी है, तमिलनाडु के कृष्णागिरि जिले के कृषक समुदाय को प्रभावित करेगा और इससे लगभग 870 हेक्टेयर कृषि भूमि बंजर हो जाएगी। रविवार को जारी एक बयान में, वाइको ने कहा कि सरकार को इस मामले के खिलाफ गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि इससे तमिलनाडु के कई लोगों का जीवन प्रभावित होगा। वरिष्ठ नेता ने कहा कि कृष्णागिरि जिले के कुट्टापल्ली और बेमांडापल्ली गांव इस बांध से पूरी तरह प्रभावित होंगे क्योंकि वे अपनी सिंचाई और पीने के पानी की जरूरतों के लिए पूरी तरह से पेन्नैयार नदी पर निर्भर हैं। इस बीच, तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री और द्रमुक के वरिष्ठ नेता एस. दुरईमुर्गन ने कहा कि राज्य सरकार ने कर्नाटक सरकार द्वारा बांध निर्माण से उत्पन्न मुद्दे को हल करने के लिए एक न्यायाधिकरण का गठन करने के लिए केंद्र को पहले ही एक पत्र भेजा है।

मप्र में हर रोज आती है बिजली संबंधी साढ़े 12 हजार शिकायतें

भोपाल। मध्य प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं की हर रोज लगभग साढ़े 12 हजार शिकायतें आती हैं। यह तब है जब पिछले दिनों में बिजली की स्थिति में सुधार आने का दावा किया गया है। पहले हर रोज साढ़े 15 हजार शिकायतें आया करती थीं। राज्य के 52 जिलों में बिजली विभाग की तीन कंपनियां कार्यरत है। इन तीनों कंपनियों में बिजली व्यवस्था में सुधार लाने के प्रयास किए जा रहे है। इन कोशिशों से पहले तीनों विद्युत वितरण कंपनियों में औसतन 15 हजार 725 शिकायतें प्राप्त हो रही थी। सुधार के लिए अभियान आरंभ किए जाने के बाद अर्थात 19 जून के बाद शिकायतों की संख्या में प्रतिदिन 3229 की कमी देखने को मिली है। राज्य के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर बिजली विभाग की गड़बड़ियों को सुधारने के लिए लगातार सक्रिय रहने की कोशिश में लगे है। इसी क्रम में आम जनों की शिकायतों को दूर करने के लिए ऊर्जा मंत्री विभागीय लापरवाही को दूर करने और विभागीय अधिकारियों तथा कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 18 जून को स्वयं सीढ़ी पर चढ़कर ट्रांसफार्मर के मेंटेनेंस का कार्य करने में जुट गए थे। कहा तो यह जा रहा है कि मंत्री के सीढ़ी से ट्रांसफार्मर के सुधार के लिए चढ़ने का परिणाम यह हुआ कि प्रतिदिन लगभग 3229 शिकायतें कम आयीं। विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए आंकडों के अनुसार पूरे प्रदेश में एक से 18 जून तक विद्युत प्रदाय संबंधी 15 हजार 725 शिकायतें प्राप्त हुईं जबकि 19 से 30 जून 2021 तक की अवधि में 12 हजार 496 शिकायतें मिलीं। इस तरह से शिकायतों में लगभग 20 प्रतिषत की कमी आई है।

सिद्धू ने की उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मुहैया कराए जाने की मांग, बोले- 300 यूनिट निशुल्क दी जाए, 24 घंटे हो आपूर्ति

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

पंजाब में बिजली की किल्लत के मद्देनजर कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने रविवार को कहा कि राज्य में उपभोक्ताओं को बिजली की 300 इकाई निशुल्क दी जानी चाहिए और चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए। सिद्धू ने कहा कि घरेलू एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं को सस्ते दाम पर बिजली उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

सिद्धू ने ट्वीट किया, ''पंजाब पहले ही 9,000 करोड़ रुपए की सब्सिडी मुहैया कराता है, लेकिन हमें घेरलू एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए और कदम उठाने की आवश्यकता है। अधिभार को 10 से 12 रुपए प्रति इकाई बढ़ाने के बजाए तीन से पांच रुपए प्रति इकाई की दर पर उन्हें बिजली दी जानी चाहिए। इसके अलावा कटौती किए बिना उन्हें चौबीस घंटे बिजली मुहैया कराई जानी चाहिए और (300 इकाई तक) निशुल्क बिजली दी जानी चाहिए... ऐसा निश्चित ही किया जा सकता है।''

सिद्धू के इस ट्वीट से कुछ दिन पहले, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरवाल ने वादा किया था कि यदि आम आदमी पार्टी (आप) अगले साल सत्ता में आती है, तो हर घर में 300 इकाई निशुल्क बिजली और 24 घंटे विद्युत आपूर्ति मुहैया कराई जाएगी। क्रिकेटर से नेता बने सिद्धू ने दोहराया कि पूर्ववर्ती शिरोमणि अकाली दल (शिअद)-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में जो ''दोषपूर्ण'' विद्युत आपूर्ति समझौते किए थे, उसे कानून के जरिए रद्द किया जाना चाहिए।

सिद्धू ने एक अन्य ट्वीट किया, ''आइए, कांग्रेस आला कमान के 18 बिंदुओं वाले लोक समर्थक एजेंडे को शुरू किया जाए और बिना किसी निश्चित शुल्क के नेशनल पावर एक्सचेंज के अनुसार दरें तय करके पंजाब विधानसभा में नए विधेयक के जरिए उन दोषपूर्ण बिजली खरीद समझौतों से छुटकारा पाया जाए, जिन पर (पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह) बादल ने हस्ताक्षर किए थे। इससे पहले भी सिद्धू ने शिअद-भाजपा की पूर्ववर्ती सरकार के दौरान किए गए बिजली खरीद समझौते (पीपीए) को रद्द करने के लिए नया कानून लाने का आग्रह किया था। सिद्धू अतीत में कई मामलों पर पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की आलोचना कर चुके है।

सिंह ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार शिअद-भाजपा के शासनकाल में हुए ''व्यर्थ'' के बिजली खरीद समझौतों को रोकने के लिए जल्द ही एक कानूनी रणनीति की घोषणा करेगी। मुख्यमंत्री ने राज्य में बिजली आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा बैठक के बाद कहा था कि शिअद-भाजपा शासन के दौरान किए गए 139 बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) में से 17 समझौते राज्य की बिजली की पूरी मांग के लिए पर्याप्त हैं। शेष 122 पीपीए से राज्य पर अनावश्यक वित्तीय बोझ पड़ा।

मिशन 2022: योगी आदित्यनाथ ने स्वीकार की ओवैसी की चुनौती, बोले- यूपी में फिर बनेगी भाजपा की सरकार

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की चुनौती

स्वीकार की और कहा कि अगले साल विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा राज्य में एक बार फिर सरकार बनाएगी। दरअसल ओवैसी ने पिछले दिनों एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था हम योगी को दोबारा उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री नहीं बनने देंगे। अगर हमारा मनोबल ऊंचा हो और हम कड़ी मेहनत करें तो कुछ भी हो सकता है। हमारा मकसद है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार दोबारा ना बने। मुख्यमंत्री ने शनिवार को एक निजी समाचार चैनल से बातचीत में ओवैसी के इस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा ओवैसी जी बड़े राष्ट्रीय नेता हैं। वह चुनाव प्रचार के लिए देश के विभिन्न भागों में जाते रहते हैं और उनका अपना जनाधार है लेकिन अगर उन्होंने भाजपा को चुनौती दी है तो पार्टी के कार्यकर्ता इसे स्वीकार करते हैं। प्रदेश में भाजपा अगली बार भी सरकार बनाएगी और इसमें कोई संदेह नहीं है। योगी ने कहा कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में 300 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया है और भाजपा इसे हासिल करेगी। गौरतलब है कि ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में 100 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है।

योगी ने बीमार कल्याण सिंह से मुलाकात की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राम मनोहर लोहिया अस्पताल का दौरा कर पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह से मुलाकात की। 89 वर्षीय कल्याण सिंह के शरीर में सूजन के बाद शनिवार को उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। योगी आदित्यनाथ ने दिग्गज नेता के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और डॉक्टरों को उनके लिए सर्वोत्तम उपचार सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। कल्याण सिंह, पिछले साल कोरोना से संक्रमित होने के बाद अस्पताल में भर्ती हुए थे। हालांकि, एक महीने बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी। कल्याण सिंह राजस्थान के पूर्व राज्यपाल भी रहे हैं।

फिर गर्माया राफेल मुद्दा, राहुल गांधी ने मोदी सरकार को घेरा, कहा- जेपीसी जांच के लिए क्यों तैयार नहीं ?

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। राफेल सौदे की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराए जाने की कांग्रेस की मांग के बीच पार्टी नेता राहुल गांधी ने एक ऑनलाइन सर्वेक्षण करते हुए रविवार को लोगों के लिए सवाल पोस्ट किया कि मोदी सरकार इस जांच के लिए तैयार क्यों नहीं है। उन्होंने ट्विटर पर किए गए सवाल के उत्तर के लिए चार विकल्प दिए- अपराधबोध, मित्रों को बचाना है, जेपीसी को राज्यसभा सीट नहीं चाहिए या उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं।

गांधी ने सवाल पोस्ट करते हुए ट्वीट किया, ''मोदी सरकार जेपीसी की जांच के लिए तैयार क्यों नहीं है?-- अपराध बोध, मित्रों को भी बचाना है, जेपीसी को राज्यसभा सीट नहीं चाहिए और ये सभी विकल्प सही हैं।'' गांधी राफेल सौदे में भ्रष्टाचार का आरोप लंबे समय से लगाते रहे हैं और उन्होंने 2019 लोकसभा चुनाव में इसे बड़ा चुनावी मुद्दा भी बनाया था। इस चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा था।

गौरतलब है कि फ्रांस की समाचार वेबसाइट 'मीडिया पार्ट' की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के साथ 59,000 करोड़ रुपये के राफेल विमान सौदे में कथित भ्रष्टाचार के मामले में फ्रांस के एक न्यायाधीश को 'बहुत संवेदशील' न्यायिक जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांग्रेस ने राफेल विमानों की खरीद में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए सौदे की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराए जाने की मांग की और कहा कि सच का पता लगाने के लिए जांच का केवल यही रास्ता है। कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जांच का आदेश देना चाहिए।

कांग्रेस में सी का मतलब धूर्त है: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने रविवार को कहा कि कांग्रेस में सी का मतलब धूर्त है। मायावती का यह बयान तब आया है जब कांग्रेस ने पार्टी पर आरोप लगाया था कि बसपा में बी भाजपा के लिए खड़ा बताया था। बसपा सुप्रीमो ने ट्वीट कर कहा, बसपा में बी का अर्थ बहुजन है जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और धार्मिक अल्पसंख्यक शामिल हैं। यह समूह बहुमत में है और इसलिए इसे बहुजन कहा जाता है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस धूर्त है क्योंकि भले ही उसने बहुजन से वोट मांगे लेकिन यह सुनिश्चित किया कि वे उनके गुलाम बने रहें। उन्होंने आगे कहा कि अगर भाजपा, कांग्रेस या समाजवादी पार्टी सत्ता में होती तो कोई भी चुनाव - बड़ा या छोटा, स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से नहीं हो सकता था।

उत्तराखंड भाजपा में अंदरूनी कलह की खबरों का मंत्रियों, वरिष्ठ नेताओं ने किया खंडन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उत्तराखंड भाजपा में पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री चुने जाने को लेकर बगावत की खबरों के बीच मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं समेत कई नेताओं ने किसी भी तरह के कलह से इनकार किया और कहा कि नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह तय कार्यक्रम के अनुसार शाम को होगा। तीरथ सिंह रावत की सरकार में मंत्री हरक सिंह रावत, यशपाल आर्य और बिशन सिंह चुपल ने आईएएनएस से कहा, कोई अंदरूनी कलह नहीं है और शाम को धामी कैबिनेट का शपथ ग्रहण कार्यक्रम के अनुसार होगा। देहरादून में सुबह से ही जोरदार अफवाह चल रही थी कि धामी के चयन से नाखुश वरिष्ठ नेता और मंत्री सतपाल महाराज और हरक सिंह रावत दिल्ली पहुंच गए हैं। हरक सिंह रावत ने स्पष्ट किया कि वह देहरादून में हैं और पार्टी नेतृत्व के साथ हैं। हरक सिंह रावत ने कहा, मैं देहरादून में हूं और यहां सबके साथ बैठा हूं। केंद्रीय नेतृत्व के लिए समय मांगने के लिए दिल्ली में मेरी मौजूदगी की सभी खबरें निराधार और अफवाहें हैं। कथित तौर पर उत्तराखंड भाजपा के एक वर्ग ने दावा किया कि तीरथ सिंह की सरकार में वरिष्ठ मंत्री - महाराज, चुपल, आर्य और हरक सिंह पहाड़ी राज्य के नए मुख्यमंत्री का चुनाव करते समय अपनी वरिष्ठता की अनदेखी करने पर धामी सरकार में शपथ लेने को तैयार नहीं हैं। आर्य ने कहा, मैं मंत्री बनूंगा या नहीं, यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। अगर वह मुझे अपने मंत्रिमंडल में शामिल होने के लिए कहेंगे, तो मैं उनके निदेशरें का पालन करूंगा। लगभग 35 विधायक इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं, इस बारे में पूछे जाने पर आर्य ने कहा, यह एक निराधार अफवाह है। ये सभी 35 विधायक कौन हैं? पार्टी एकजुट है और एक साथ है। अंदरूनी कलह और मतभेदों की खबरें सिर्फ अफवाहें हैं। चौपाल ने कहा, उत्तराखंड में नई सरकार के शपथ ग्रहण में सभी शामिल होंगे। देहरादून में पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने पूछा कि कोई अपना कार्यकाल या चुनाव पूरा होने से सिर्फ सात-आठ महीने पहले इस्तीफा क्यों देगा। उन्होंने कहा, राज्य विधानसभा से इस्तीफा देने के बाद उन्हें क्या मिलेगा? चुनाव अगले साल की शुरूआत में निर्धारित है और बगावत से पार्टी का टिकट मिलने की संभावना प्रभावित होगी।

क्या शिवसेना की भाजपा के साथ बढ़ रही नजदीकियां? आशीष शेलार के साथ मुलाकात पर राउत ने दिया यह जवाब

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि विपक्षी दल भाजपा के मन में अगर महाराष्ट्र के लोगों का हित है तो उसे राज्य विधानसभा का दो दिवसीय मानसून सत्र चलने देना चाहिए। महाराष्ट्र विधानसभा का दो दिन का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होना है। पत्रकारों से बातचीत में राउत ने कहा कि विपक्ष को सत्र के दोनों दिन कामकाज सुगमता से चलने देना चाहिए। शिवसेना नेता राउत ने कहा, 'हल्ला-हंगामा सरकार को घेरने का सही तरीका नहीं है। दूसरा पक्ष भी ऐसे हथकंडे अपना सकता है। इससे टीकाकरण, कोविड-19, बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था की समस्याएं नहीं सुलझेंगी।' गौरतलब है कि महाराष्ट्र में सत्तासीन महा विकास अघाडी (एमवीए) गठबंधन में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), कांग्रेस और शिवसेना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार के पास चर्चा के लिए कई मुद्दे और जनता की कई समस्याएं हैं। राज्य सभा सदस्य ने कहा, 'भाजपा अगर राज्य के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध महसूस करती है तो वह विधानसभा सत्र चलने देगी। राज्य को लोग चाहते हैं कि दो दिन का सत्र शोर-शराबे की भेंट ना चढ़े।'' शनिवार को भाजपा नेता आशीष शेलार के साथ अपनी मुलाकात की खबर पर, राकांपा नेता ने कहा, ''इस तरह की अफवाहें जितनी ज्यादा फैलेंगी, एमवीए गठबंधन उतना ही मजबूत होगा।'' शिवसेना के मुख्य प्रवक्ता ने कहा, 'हमारे बीच राजनीतिक और वैचारिक मतभेद हो सकता है, लेकिन अगर हम सार्वजनिक कार्यक्रमों में आमने-सामने आते हैं तो दुआ-सलाम जरूर करेंगे। मैं शेलार के साथ सबके सामने भी कॉफी पीता हूं।'' महाराष्ट्र सरकार केन्द्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रस्ताव लाने पर विचार कर रही है, इस संबंध में सवाल करने पर राउत ने कहा कि अगर महा विकास अघाडी ऐसा प्रस्ताव रख रही है तो इसका अर्थ है कि गठबंधन की तीनों पार्टियां उसका समर्थन कर रही हैं।

कोरोना की तीसरी लहर को लेकर बोले वैज्ञानिक, दूसरी लहर की तुलना में आधे मामले आ सकते हैं सामने

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कोविड-19 महामारी मॉडलिंग से संबंधित एक सरकारी समिति के एक वैज्ञानिक ने कहा है कि अगर कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन नहीं किया जाता है, तो कोरोना वायरस की तीसरी लहर अक्टूबर-नवंबर के बीच चरम पर पहुंच सकती है, लेकिन दूसरी लहर के दौरान दर्ज किए गए दैनिक मामलों के आधे मामले देखने को मिल सकते हैं। सूत्र मॉडल या कोविड-19 के गणितीय अनुमान पर काम कर रहे मनिंद्र अग्रवाल ने यह भी कहा कि यदि वायरस का कोई नया स्वरूप उत्पन्न होता है तो तीसरी लहर तेजी से फैल सकती है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने पिछले साल गणितीय मॉडल का उपयोग कर कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि का पूर्वानुमान लगाने के लिए समिति का गठन किया था।

समिति में आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिक अग्रवाल के अलावा आईआईटी हैदराबाद के वैज्ञानिक एम विद्यासागर और एकीकृत रक्षा स्टाफ उप प्रमुख (मेडिकल) लेफ्टिनेंट जनरल माधुरी कानितकर भी हैं। इस समिति को कोविड की दूसरी लहर की सटीक प्रकृति का अनुमान नहीं लगाने के लिए भी आलोचना का सामना करना पड़ा था। अग्रवाल ने कहा कि तीसरी लहर का अनुमान जताते समय प्रतिरक्षा की हानि, टीकाकरण के प्रभाव और एक अधिक खतरनाक स्वरूप की संभावना को कारक बताया गया है, जो दूसरी लहर की मॉडलिंग के दौरान नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रकाशित की जाएगी।

उन्होंने कहा, ''हमने तीन परिदृश्य बनाए हैं। एक 'आशावादी' है। इसमें, हम मानते हैं कि अगस्त तक जीवन सामान्य हो जाता है, और वायरस का कोई नया स्वरूप नहीं होगा। दूसरा 'मध्यवर्ती' है। इसमें हम मानते हैं कि आशावादी परिदृश्य धारणाओं के अलावा टीकाकरण 20 प्रतिशत कम प्रभावी है।'' अग्रवाल ने विभिन्न ट्वीट में कहा, ''तीसरा 'निराशावादी' है। इसकी एक धारणा मध्यवर्ती से भिन्न है- अगस्त में एक नया, 25 प्रतिशत अधिक संक्रामक उत्परिवर्तित स्वरूप फैलता है (यह डेल्टा प्लस नहीं है, जो डेल्टा से अधिक संक्रामक नहीं है)। अग्रवाल द्वारा साझा किए गए ग्राफ के अनुसार, अगस्त के मध्य तक दूसरी लहर के स्थिर होने की संभावना है, और तीसरी लहर अक्टूबर और नवंबर के बीच अपने चरम पर पहुंच सकती है। वैज्ञानिक ने कहा कि 'निराशावादी' परिदृश्य के मामले में, तीसरी लहर में देश में रोजाना 1,50,000 से 2,00,000 के बीच मामले बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा मई के पूर्वार्ध में दूसरी लहर के चरम के समय आए मामलों से आधा है, जब अस्पतालों में मरीजों की बाढ़ आ गयी थी और हजारों लोगों की मृत्यु हो गई। अग्रवाल ने कहा, ''यदि कोई नया म्यूटेंट आता है, तो तीसरी लहर तेजी से फैल सकती है, लेकिन यह दूसरी लहर की तुलना में आधी होगी। डेल्टा स्वरूप उन लोगों को संक्रमित कर रहा है जो एक अलग प्रकार के स्वरूप से संक्रमित थे। इसलिए इसे ध्यान में रखा गया है।''

उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे टीकाकरण अभियान आगे बढ़ेगा, तीसरी या चौथी लहर की आशंका कम होगी। अग्रवाल ने कहा कि आशावादी परिदृश्य में रोजाना मामले 50000 से 100000 हो सकते हैं। वहीं, विद्यासागर ने कहा कि तीसरी लहर के दौरान अस्पताल में भर्ती होने के मामले कम हो सकते हैं। उन्होंने ब्रिटेन का उदाहरण दिया जहां जनवरी में 60,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें प्रतिदिन मौतों का आंकड़ा 1,200 था। हालांकि, चौथी लहर के दौरान, यह संख्या घटकर 21,000 रह गई और केवल 14 मौत हुईं। विद्यासागर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''ब्रिटेन में अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता वाले मामलों को कम करने में टीकाकरण ने प्रमुख भूमिका निभाई।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)